केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

06 फरवरी 2025
गुरुवार

आपकी आवाज

नालंदा में लालू यादव का ऐलान, हर हाल में तेजस्वी को बनायेंगे सीएम

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

महाकुंभ... वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच पीएम मोदी ने संगम में लगाई पावन डुबकी

- संगम स्नान के बाद पीएम ने तीर्थ पुरोहितों की मौजूदगी में विधिवत किया पूजन अर्चन
- पीएम मोदी के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया स्वागत

केटी न्यूज/प्रयागराज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने पावन डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

जल को स्पर्श कर लिया आशीर्वाद, फिर सूर्य को दिया अर्घ्य

त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए।

विशेष योग में किया स्नान: पीएम मोदी का संगम स्नान ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं।

पीएम की मौजूदगी में भी श्रद्धालु करते रहे स्नान

पीएम मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। पीएम मोदी के आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी-मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों के लिए डाले गए वोट, आठ को रिजल्ट

एग्जिट पोल ने दिल्ली में खिलाया कमल

- दिल्ली में सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी के लिए 36 सीट का होना जरूरी, अधिकतर एग्जिट पोल में बीजेपी को बहुमत

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को सभी 70 सीटों पर मतदान संपन्न हो गया। 8 फरवरी को नतीजे सामने आएंगे। इससे पहले एग्जिट पोल के अनुमान सामने आ गए हैं। अब तक सामने आए कई एजेंसियों के एग्जिट पोल में बीजेपी को बंपर बहुमत मिलता दिख रहा है। दिल्ली चुनाव को लेकर पीपुल्स इनसाइट की ओर से किए गए एग्जिट पोल सर्वे में बीजेपी को 40 से 44 सीट, आम आदमी पार्टी को 25 से 29 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। कांग्रेस को शून्य से 02 सीटे मिलने का अनुमान है। वहीं डीवी रिसर्च ने बीजेपी को 36 से 44 सीटें जबकि आम आदमी पार्टी को 25-34 सीटों का अनुमान दिखाया है। दूसरी ओर से कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलता नजर आ रहा है।

जेवीसी ने सर्वे में बीजेपी को 39-45 और सत्ताधारी पार्टी आप को 22-31 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। चाणक्या स्ट्रेटजीज की ओर से किए गए एग्जिट पोल के सर्वे में बीजेपी को बहुमत मिलता दिख रहा है। इस सर्वे में बीजेपी को 39-44 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को 25-28 और कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलने का अनुमान है। मैट्रिज के सर्वे में भी बीजेपी को बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है। एग्जिट पोल के सर्वे में बीजेपी को 39 से 44 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को 25-28 सीट और कांग्रेस के खाते में 0 से 3 सीट मिलने का अनुमान है। पोल डायरी के एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी को 18 से 25 सीट और बीजेपी को 42 से 50 सीट और कांग्रेस को 0 से 2 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। पीपुल प्लस के सर्वे में आम आदमी पार्टी को 10-19 और

सीटें 70 | विधानसभा चुनाव 2025 | बहुमत 36

दिल्ली का एग्जिट पोल

एजेंसी	भाजपा+	आप	कांग्रेस	अन्य
मैट्रिज	35-40	32-37	0-1	0-0
जेवीसी	39-45	22-31	0-2	0-1
चाणक्य स्ट्रैटेजीज़	39-44	25-28	2-3	0-0
पीपल्स पल्स	51-60	10-19	0-0	0-0
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29	0-1	0-0
पोल डायरी	42-50	18-25	0-2	0-0
पी-मार्क	39-49	21-31	0-1	0-0
वी-प्रीसाइड	18-23	46-52	0-1	0-0
माइंड ब्रिंक	21-25	44-49	0-1	0-0

दो का अनुमान, आप को बहुमत

वी प्रीसाइड के सर्वे में आम आदमी पार्टी को 46-52 और बीजेपी को 18-23 सीट मिलने का अनुमान है। वहीं, कांग्रेस को जीरो से एक सीट मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं माइंड ब्रिंक ने भी आप की सरकार बनने का अनुमान लगाया है। सर्वे के अनुसार आप को 44 से 49 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि बीजेपी को 21-25 सीटें।

शाम पांच बजे तक 70 सीटों पर 57.70 प्रतिशत मतदान

दिल्ली विधानसभा में पिछले 2 चुनावों की तुलना में इस बार वोटर्स में अधिक उत्साह देखने को मिला है। शाम 5 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार सभी 70 सीटों पर 57.70 प्रतिशत औसत मतदान हुआ है। सबसे अधिक वोट मुस्तफाबाद सीट पर 66.68 प्रतिशत देखने को मिली है। वहीं सीलमपुर में 62.47 प्रतिशत वोट पड़े हैं। मुस्लिम बहुल अधिकतर सीटों पर वोटिंग प्रतिशत अधिक देखने को मिला। हालांकि मतदान का समय शाम 6 बजे तक था, ऐसे में वोटिंग पर्सेंट में बढ़ोतरी हो सकती है।

आमतौर पर 60 प्रतिशत से ऊपर होता है मतदान प्रतिशत: दिल्ली में विधानसभा चुनावों में आमतौर पर ठीकठाक वोटिंग होती है। मतदान प्रतिशत आमतौर पर 60 प्रतिशत से ऊपर होता है। पिछले 2015 और 2020 के मतदान इसके गवाह रहे हैं। साल 2015 के चुनाव में दिल्ली में बंपर वोटिंग देखने को मिली थी, तब लगभग 67.47 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके बाद दिल्ली में 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत कुछ घटा... ये 62.60 प्रतिशत रहा था। इस बार कुल कितना मतदान प्रतिशत दर्ज किया जाता है, इससे भी कई संकेत सामने आएंगे। हालांकि, दिल्ली में इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने बुधवार का दिन चुना था। आमतौर पर वीकेंड के दिन मतदान होने पर कुछ लोग वीकेंड मनाने के लिए घूमने निकल जाते हैं।

दिल्ली में कब कितना मतदान

चुनाव साल	मतदान प्रतिशत
2020	62.60 प्रतिशत
2015	67.47 प्रतिशत
2013	66.02 प्रतिशत
2008	57.60 प्रतिशत
2003	53.42 प्रतिशत
1998	48.99 प्रतिशत
1993	61.75 प्रतिशत

क्या कहता है वोटिंग प्रतिशत

दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत पिछले चुनावों में काफी कुछ संकेत देता रहा है। पिछले 2 चुनावों की बात करें, तो आम आदमी पार्टी वोटिंग प्रतिशत में अव्वल रही है और दूसरी सभी पार्टियों को सीटों की गिनती में बेहद पीछे छोड़ती रही है। साल 2020 के चुनावों की बात करें, तो आम आदमी पार्टी को 53.6 प्रतिशत, बीजेपी को 38.5 प्रतिशत और कांग्रेस को कांग्रेस को 4.3 फीसदी वोट मिले थे। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 60 से ज्यादा सीटें जीती थीं।

राहुल गांधी ने फिर दोहराई जातीय जनगणना की बात

केटी न्यूज/पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को बिहार के दौरे पर पटना पहुंचे। जगलाल चौधरी की जयंती पर पटना में राहुल गांधी ने रैली की। इसके बाद श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर देशभर में जातीय जनगणना की बात दोहराई। राहुल गांधी ने कहा कि किसकी कितनी आबादी है और किसको कितनी भागीदारी मिल रही है, हम सबसे पहले यह पता लगाएंगे। इसको पता लगाने का एक ही तरीका है वह है जाति जनगणना। साथ ही उन्होंने बिहार के जातीय जनगणना पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये बिहार वाला जो जातीय जनगणना है, मैं इसकी बात नहीं कर रहा हूं। उन्होंने तेलंगाना की जाति जनगणना की तारीफ करते हुए कहा कि जाति जनगणना देखना है तो तेलंगाना वाला देख लीजिए। राहुल गांधी ने कहा कि जाति जनगणना सिर्फ सर्वे नहीं है। जातीय गणना हमें बता देगा कि पिछड़ा वर्ग कौन है, आदिवासी कौन है, दलित कौन है, माइनॉरिटी कौन है और जनरल कास्ट कौन है। इसके बाद पता लगाएंगे कि दलितों की असलियत में कितनी भागीदारी है।

स्वतंत्रता सेनानी का नाम भूल गए राहुल

राहुल गांधी पटना में फिर से एक बड़ी भूल कर बैठे। अपने भाषण के क्रम में राहुल गांधी स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जगह जगत लाल चौधरी बोल रहे थे। दो बार तक तो भीड़ ने इसे नजरअंदाज किया, लेकिन जब वे तीसरी बार भी जगत लाल चौधरी बोले तो भीड़ ने आवाज लगाकर कहा, जगत लाल चौधरी नहीं जगलाल चौधरी नाम है। भीड़ की आवाज के बाद राहुल गांधी ने अपनी गलती सुधारी और कहा सॉरी।

किशनगंज में डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार बाइक, 3 छात्रों की मौत

- टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार छात्र 20 से 25 मीटर दूर जा गिरे

केटी न्यूज/पटना

किशनगंज में भीषण सड़क हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों बंगाल से बाइक से लौट रहे थे। एनएच 27 पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराने के बाद ट्रक से जा भिड़ी। इससे मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। घटना एनएच 27 पर वीर कुंवर सिंह बस पड़ाव के नजदीक हुई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना बुधवार अहले सुबह हुई। बाइक पहले डिवाइडर से टकराई। उसके बाद अनियंत्रित होकर पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार 20 से 25 मीटर दूर जा गिरे। स्थानीय दुकानदार ने बताया कि सिलीगुड़ी की दिशा से आ रही बाइक जो कि पूर्णिया की तरफ जा रही थी।

पुलिस का कहना है कि एक छात्र की पहचान आदित्य नारायण और दूसरे की पहचान सुजल के रूप में हुई है। दोनों बलरामपुर के निवासी थे। एक युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृत युवक आदित्य नारायण की मां सुनीता देवी ने बताया कि उनका बेटा इंटरमीडिएट की परीक्षा देने आया था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अब सुबह छह से रात नौ बजे तक होंगे रामलला के दर्शन

एजेंसी/अयोध्या

रामलला की दर्शन अवधि में छह फरवरी से एक बार फिर बदलाव किया गया है। मंदिर छह फरवरी से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक खुलेगा। रोजाना 15 घंटे तक मंदिर खुला रहेगा। रात 10 बजे शयन आरती होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रयागराज कुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते राम मंदिर की दर्शन अवधि में बदलाव किया था। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सके, इसलिए राम मंदिर की दर्शन अवधि बढ़ाकर 18 घंटे कर दी गई थी। अभी तक मंदिर सुबह पांच बजे से रात 11 तक खुल रहा है। अब श्रद्धालुओं की भीड़ घट रही है इसलिए छह फरवरी से दर्शन और आरती के समय में बदलाव किया गया है। सुबह 4 बजे मंगला आरती होगी। इसके बाद मंदिर का पट बंद कर दिया जाएगा। फिर सुबह छह बजे श्रृंगार आरती होगी। छह बजे से ही राम मंदिर में दर्शन भी शुरू हो जाएगा। दर्शन लगातार रात नौ बजे तक चलता रहेगा। इस बीच शाम सात बजे शयन आरती के लिए मंदिर का पट 15 मिनट के लिए बंद किया जाएगा। रात नौ बजे के बाद राम मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश नहीं होगा। जो श्रद्धालु राम मंदिर में मौजूद रहेंगे उन श्रद्धालुओं को दर्शन दिया जाएगा। रात 10 बजे रामलला की शयन आरती के बाद मंदिर बंद कर दिया जाएगा।

अडाणी परिवार ने लिया संकल्प... बहनों को देंगे 10-10 लाख की आर्थिक मदद

हर वर्ष 500 दिव्यांग बहनों का हाथ थामेंगे जीत अडाणी

केटी न्यूज/रायपुर

उद्योगपति गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की शादी दिवा शाह से हो रही है। नए जीवन में प्रवेश से पहले जीत और दिवा ने प्रति वर्ष 500 दिव्यांग बहनों के विवाह का संकल्प लेते हुए प्रत्येक बहन के लिए 10 लाख का आर्थिक सहयोग देने का फैसला लिया है। गौतम अडानी ने बेटे और भावी बहू के इस संकल्प को परम संतोष और सौभाग्य का विषय बताया है। गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की शादी 7 फरवरी 2025 को सूरत के हीरा व्यापारी जैमिन शाह की बेटी दिवा शाह के साथ होने वाली है। गौतम अडानी ने तमाम अटकलों को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि यह विवाह एक साधारण और पारंपरिक समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा।

शादी को लेकर अटकलें थीं कि यह समारोह अहमदाबाद स्थित क्रिकेट स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो सकता है। हालांकि, गौतम अडानी ने स्पष्ट किया है कि शादी में किसी सेलिब्रिटी को आमंत्रित नहीं किया जाएगा, बल्कि यह एक सामान्य पारिवारिक आयोजन होगा। जीत अडानी और दिवा शाह की सगाई 12 मार्च 2023 को हुई थी, लेकिन उन्होंने अपने संबंधों को निजी रखा था।

गौतम अडानी ने एक्स पर किया ट्वीट: गौतम अडानी ने एक्स पर ट्वीट कर अपनी खुशी जाहिर की है उन्होंने लिखा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मेरा बेटा जीत और बहू दिवा अपने वैवाहिक जीवन की शुरूआत एक पुण्य संकल्प से कर रहे हैं। जीत और दिवा ने प्रति वर्ष 500 दिव्यांग बहनों के विवाह में प्रत्येक बहन के लिए 10 लाख का आर्थिक सहयोग कर मंगल सेवा का संकल्प लिया है। एक पिता के रूप में यह मंगल सेवा मेरे लिए परम संतोष और सौभाग्य का विषय है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पावन प्रयास से अनेकों दिव्यांग बेटियों व उनके परिवारों का जीवन सुख, शांति और सम्मान से आगे बढ़ेगा। मेरी प्रभु से यही प्रार्थना है कि वह जीत और दिवा को सेवा के इस पथ पर निरंतर आगे बढ़ने का आशीर्वाद और सामर्थ्य दें।

बोले सीएम... मुंगेर में हुआ बहुत काम, कोई छूट गया या रह गया तो जल्द किया जाएगा उसे पूरा

♦ मुंगेर को मुख्यमंत्री ने दी बड़ी सौगात, 438 करोड़ से अधिक की 160 विकास योजनाओं की रखी नींव

केटी न्यूज/मुंगेर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के चौथे चरण में मुंगेर जिले को 438.51 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि हम लोगों ने मुंगेर जिले में विकास का काफी काम कराया है। फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है, उसे पूरा किया जाएगा। इसकी लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने सदर प्रखंड के चड़ौन गांव में 160 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 73 योजनाओं का उद्घाटन (148.40 करोड़ रुपये) और 87 योजनाओं का शिलान्यास (290.12 करोड़ रुपये) शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तारापुर, हवेली खड़गपुर, नौवागढ़ी और जिला मुख्यालय में जाकर विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जनहित में तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए।

तारापुर में विभिन्न विकास योजनाओं का जायजा : सीएम ने तारापुर प्रखंड के रणगांव में मध्य विद्यालय, आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र और जीविका पुस्तकालय का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनकी शिक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और उनका उत्साह बढ़ाया। साथ ही, जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत बनाए गए तालाब का भी निरीक्षण किया।

ऋषिकुंड पर्यटन स्थल को विकसित करने के निर्देश: सीएम हवेली खड़गपुर प्रखंड के ऋषिकुंड पर्यटन स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने इस ऐतिहासिक स्थल को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कहा कि गर्म जलधारा के इस मनोरम स्थल को अधिक गहरा किया जाए ताकि अधिक पानी संग्रहित हो सके और स्नान करने वालों को सुविधा मिले। अधिकारियों ने जानकारी दी और बताया कि यहां तीन साल में एक बार मलमास मेले का आयोजन होता है, जिसमें देशभर से श्रद्धालु आते हैं।

सदर अस्पताल में 100 बेड वाले मॉडल अस्पताल का उद्घाटन

सीएम ने 32.17 करोड़ रुपये की लागत से बने 100 बेड वाले नवनिर्मित मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि यह अस्पताल मुंगेर के लोगों के लिए वरदान साबित होगा और यहां सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।सीएम ने नौवागढ़ी उच्च विद्यालय परिसर में 47.14 लाख रुपये की लागत से निर्मित खेल मैदान का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने गुब्बारे उड़ाकर खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत की और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इसके बाद खगौल विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान एक छात्रा ने खगौल विज्ञान और टेलीस्कोप के महत्व पर सीएम से संवाद किया। जीविका दीदियों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि 2005 में जब हमने बिहार में काम शुरू किया, तब स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। हमने विश्व बैंक से कर्ज लेकर इन्हें बढ़ावा दिया और इन समूहों को जीविका नाम दिया, जिससे प्रेरित होकर केंद्र सरकार ने इसे आजीविका नाम दिया।

नालंदा के इस्लामपुर स्थित खानकाह मैदान में सभा को किया संबोधित

नालंदा में लालू यादव का ऐलान, हर हाल में तेजस्वी को बनायेंगे सीएम

♦ बोले राजद सुप्रीमो...हमने अपने पूरे जीवन में कभी किसी के सामने सिर नहीं झुकाया है और ना ही कही किसी के सामने सिर झुकाएंगे

केटी न्यूज/पटना

विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दल जुट गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल भी इसमें कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार यात्रा कर रहे। इधर, उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के गढ़ में बड़ा एलान करते हुए कहा कि हमलोग हर हाल में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों इकट्ठा होकर इस देश में अपनी सरकार बनानी है। आपलोग कहीं किसी के सामने सिर नहीं झुकाना और ना हमने झुकाया है और न आपलोग किसी के सामने झुकना।नालंदा के इस्लामपुर विधानसभा के पूर्व विधायक स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद की 24वीं पुण्यतिथि पर पहुंचे लालू प्रसाद ने कहा कि मैं आप लोगों ने अपील करता हूं कि आपलोग इस देश की रक्षा के लिए हम सब एक साथ खड़ा रहे। हम सरकार बनाएंगे। तेजस्वी यादव को हर हाल में हम लोग मुख्यमंत्री बनाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपया खाते में हम लोग डालेंगे। जैसे झारखंड में डाला है और बिजली फ्री, रोजगार भी मिलेगा, नौकरी भी हम लोग देंगे। हम जो बोलते हैं वह करते हैं। जो कहते हैं वह करना चाहिए। इस्लामपुर विधायक राकेश रोशन बढ़िया काम कर रहे हैं और करते रहेंगे। बता दें कि यह कार्यक्रम इस्लामपुर विधायक राकेश कुमार रोशन के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित की गई थी। जिसमें राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, भारत सरकार के पूर्व मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव तथा राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव भी आए थे। इधर, अपने नेता लालू प्रसाद यादव को सुनने और देखने के लिए बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता भी खानकाह हाई स्कूल के मैदान में पहुंचे थे।

राजद सुप्रीमो इस मौके पर कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई हम सभी आपस में भाई हैं। स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद के पुत्र राकेश कुमार रोशन निमंत्रण देने पहुंचे थे। हमने एक क्षण भी इनके निमंत्रण को स्वीकार करने में नहीं लगाया और आज हम कृष्ण बल्लभ प्रसाद जी को माल्यार्पण करने उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह क्षेत्र नालंदा में कहा कि जो हम बोलते हैं वो करते हैं। हमने अपने पूरे जीवन में कभी किसी के सामने सिर नहीं झुकाया है और ना ही कही किसी के सामने सिर झुकाएंगे। हर हालत में हम तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाएंगे। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बुधवार को नालंदा के इस्लामपुर पहुंचे जहां खानकाह मैदान में आयोजित पूर्व विधायक स्व. कृष्ण वल्लभ यादव की 24वीं पुण्यतिथि के मौके पर शामिल हुए। इस दौरान लालू प्रसाद यादव ने स्व. कृष्ण वल्लभ यादवकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित और माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और इस मौके पर उन्हें याद किया।

इस दौरान राजद सुप्रीमो लालू यादव का आरजेडी कार्यकताओं और इस्लामपुर की जनता ने स्वागत किया। लालू यादव ने मंच पर बैठे-बैठे लोगों को संबोधित किया। कहा कि जो हम बोलते हैं वो करते हैं। हम सबको इकट्ठा होकर देश में अपनी सरकार बनानी है। तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना है। हमने कभी किसी के सामने सिर नहीं झुकाया है। ना ही कही किसी के सामने सिर झुकाएंगे। लालू ने आगे कहा कि हम सभी को आह्वान करते हैं कि आपलोग एकजूट होकर देश की रक्षा के लिए हमेशा खड़ा रहें। हर हालत में हम तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। हमारी सरकार बिहार में बनेगी तब झारखंड की तरह तमाम महिलाओं के खाते में 2500 रुपये डालेंगे। बिजली फ्री मिलेगा और रोजगार भी मिलेगा। जो हम बोलते हैं वो करते हैं। हम किसी के दबाव में आकर काम नहीं करते है। इसलिए जनता के साथ मिलकर काम करते है। जनता के दुख दर्द को समझते है। केवल झूठ की यात्रा नहीं करते है।

असामाजिक तत्वों ने रामविलास पासवान की तोड़ी प्रतिमा

औरंगाबाद। हाल में ही मरणोपरांत पद्मभूषण से अलंकृत किए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान की प्रतिमा को तोड़ दी गई है। घटना औरंगाबाद के दाउदनगर प्रखंड के महावर पंचायत के महावर गांव की। असामाजिक तत्वों ने लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक की प्रतिमा को तोड़ कर फेंक दिया है। घटना को लेकर दलित समुदाय के लोग आक्रोशित हो गए है। हालांकि घटना के बाद आक्रोशित दलित समुदाय के लोग महावर गांव के पास ही एनएच-139 को जाम करने पर उतारु थे लेकिन मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे लोजपा (रामविलास) के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश चंद्रा ने आक्रोशितों को समझा-बुझाकर मना लिया।

पूर्णिया में सरस्वती पूजा के दौरान डीजे गाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौत, 15 बच्चे घायल

केटी न्यूज/पूर्णिया

सरस्वती पूजा के विसर्जन दौरान एक भीषण दुर्घटना हुई। अनियंत्रित डेजी गाड़ी के चढ़ने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घटना के अनुसार, विसर्जन के दौरान खड़ी डेजी गाड़ी को एक बच्चे ने ही चाबी घुमा दिया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर लोगों पर चढ़ गई। घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां एक महिला और तीन बच्चे की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

घटना बुधवार करीब एक बजे जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महराजपुर रमना टोली में घटी है। मृतक की पहचान स्वर्ग शहीद अंसारी के जैहरुन निशा (50) के रूप में की गई। घायलों में पूनम देवी 28, अरशद 09, तबरेज अंसारी 07, तोहिद अंसारी 05, नजमा, हजरत अंसारी 10, रेशमा खातून 10 सहित अन्य शामिल हैं। घटना के संबंध में स्थानीय महेश सिंह ने कहा कि गांव में सरस्वती पूजा को लेकर प्रतिमा (मूर्ति) स्थापित की गई थी। बुधवार को दिन शुभ होने के कारण सभी लोग प्रतिमा विसर्जन का तैयारी कर रहे थे। वहीं विसर्जन के दौरान डीजे गाड़ी रोड के किनारे खड़ी थी। गाड़ी में चाबी लगी हुई थी इसी दौरान एक बच्चा डीजे गाड़ी पर बैठ कर चालू कर दिया। जब तब चालक कुछ देख पाते थे तब तक में डीजे गाड़ी दो दर्जन लोगों को अपना शिकार बना लिया। जिससे घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई। वहीं इस घटना में एक महिला सहित डेढ़ दर्जन लोग बच्चे घायल हो गए। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया। जहां महिला सहित तीन बच्चे की स्थिति काफी गंभीर है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि विसर्जन के दौरान डीजे गाड़ी चढ़ने से एक महिला की मौत हुई है। वहीं डेढ़ दर्जन लोग घायल है। सभी का इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

27 वर्ष बाद 19 अभियुक्तों को आजीवन कारावास

रोहतास। जिला व्यवहार न्यायालय सासाराम के एडीजे चार अनिल कुमार की अदालत ने बुधवार को हत्या से जुड़े एक 27 वर्ष पुराने मामले में सुनवाई करते हुए 19 अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। एडीजे चार ने सभी अभियुक्तों को सख्त सजा देते हुए आजीवन कारावास के साथ-साथ 50-50 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। अभियुक्तों में उमाशंकर महतो, बलि महतो, संतन महतो, रमेंद्र महतो, अर्जुन महतो, हीरा राम महतो, दशरथ महतो और रामचंद्र महतो शामिल हैं। इसके अलावा कोर्ट ने अशोक महतो, गुपूत महतो, रामनाथ महतो, अरुण महतो, रामाशीष महतो सहित अन्य शामिल है।

सरकारी शिक्षक स्कूल छोड़ पत्नी की जगह कर रहे थे ड्यूटी, ग्रामीणों ने वीडियो किया वायरल

केटी न्यूज/मोतिहारी

मोतिहारी जिले में एक सरकारी शिक्षक द्वारा अपने स्कूल का कार्य छोड़कर पत्नी की जगह आवास योजना के सर्वेक्षण का काम करने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना ने शिक्षा विभाग और प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, वायरल वीडियो में दिख रहा शिक्षक सत्येंद्र राम केसरिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुसैनी में कार्यरत है। वह अपने विद्यालय की हाजिरी दर्ज कर पताही प्रखंड के जुल्फेकाराबाद पंचायत में आवास योजना का सर्वेक्षण कर रहा था। इस पंचायत में सत्येंद्र राम की पत्नी रीता देवी आवास सहायक के रूप में कार्यरत है। चूंकि इन दिनों सरकार द्वारा आवास योजना के सर्वे का कार्य जोरों पर है, ऐसे में सत्येंद्र राम ने 50 किलोमीटर दूर अपनी पत्नी के स्थान पर सर्वेक्षण कार्य करना शुरू कर दिया। यह पूरा मामला तब सामने आया जब गांव के कुछ युवकों ने शिक्षक सत्येंद्र राम को आवास योजना का सर्वेक्षण करते हुए देख लिया और उसका वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही शिक्षा विभाग और प्रशासन हरकत में आ गया।

बीईओ ने दिया चौंकाने वाला बयान: इस संबंध में केसरिया के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विनय तिवारी ने कहा कि शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा गया है, लेकिन वह अवकाश पर है। इस बयान ने कई नए सवाल खड़े कर दिए कि अगर शिक्षक अवकाश पर था, तो क्या वह अपने पत्नी की जगह पर ड्यूटी कर सकता है। शिक्षक को अवकाश किस कार्य के लिए दिया गया था। क्या इसकी जांच नहीं होनी चाहिए। अधिकारी शिक्षक को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले ने शिक्षा विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सात सूत्री लंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी

पीडीएस दुकानदारों ने सीएम नीतीश की निकाली अर्थी

केटी न्यूज/पटना

सूबे में जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों का अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। पीडीएस दुकानदरों ने बुधवार को सीएमकी अर्थी निकाल दी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं करती और अनशन पर बैठे अम्बिका यादव से बातचीत नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने मांगें न माने जाने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दे दी। मुजफ्फरपुर में जन वितरण प्रणाली दुकानदारों ने अपनी सात सूत्री लंबित मांगों को लेकर आक्रोश में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया।

यहां आक्रोशित दुकानदारों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अर्थी जुलूस निकाला। फिर सिकंदरपुर मुक्तिधाम में प्रतीकात्मक दाह संस्कार किया। यह विरोध प्रदर्शन खुदीराम बोस स्मारक स्थल से निकला, जो करबला, कंपनीबाग होते हुए समाहरणालय परिसर तक पहुंचा और फिर सिकंदरपुर मुक्तिधाम में खत्म हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुदार्बाद के नारे लगाए गए और सरकार की असंवेदनशीलता तथा तानाशाही रवैये पर जमकर हमला बोला गया। पीडीएस दुकानदारों की मुख्य मांगों को लेकर पटना में 20 जनवरी 2025 से अम्बिका यादव अनशन पर बैठे हैं। बुधवार को 16 दिन बीत जाने के बावजूद भी न तो मुख्यमंत्री और न ही आपूर्ति विभाग की ओर से कोई सकारात्मक पहल की गई। इसे लेकर पीडीएस दुकानदारों ने सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने और सत्ता के नशे में चूर रहने का आरोप लगाया। फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के मुजफ्फरपुर इकाई के सदस्यों ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार का जमीर मर चुका है, इसलिए प्रतीकात्मक रूप से उनका दाह संस्कार किया गया ताकि उनका जमीर फिर से जाग सके।

आंदोलन और उग्र करने की चेतावनी: इस विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे देवन रजक ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं करती और अनशन पर बैठे अम्बिका यादव से बातचीत नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। सीएम के अर्थी जुलूस और दाह संस्कार जैसे विरोध प्रदर्शन के कारण प्रशासन में हड़कंप मच गया। हालांकि पूरे मार्च के दौरान पुलिस की सतर्कता बनी रही और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 06 फरवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

नारी सशक्तीकरण को लेकर डॉ जगनारायण सिंह ने रखी थी सुमित्रा कॉलेज की नींव

- एसएम कॉलेज में पुण्यतिथि पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय सुमित्रा महिला कॉलेज में स्मृतिशेष डॉ. जगनारायण सिंह के 19वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन प्राचार्या डॉ. शोभा सिंह, अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश सिंह, डॉ. शैलेश श्रीवास्तव, डॉ. साकार कुमार, डॉ. मोनिका सिंह, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डीके कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजू मोची और विश्वविद्यालय सीनेट के सदस्य डॉ. विनोद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान करीब 200 छात्राओं का बारी-बारी से आंख, दांत, डाइबिटीज, पेट से संबंधित रोग की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधित परामर्श के साथ मुफ्त में दवा दी गयी।

प्राचार्या ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने को लेकर डॉ. जगनारायण सिंह की कृति आज भी लोगों के न केवल जेहन में है बल्कि प्रेरणा के स्त्रोत है। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में हमेशा बेहतर सोच रखने वाले डॉ. जगनारायण सिंह ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने के सपने देखे थे। उस जमाने में लड़कियों को बेहतर शिक्षा दिलाने की छेड़ी मुहिम महिलाओं के लिए शिक्षा के क्षेत्र में आज पूरी तरह से कारगर साबित हो रही है। उनकी इस दूरगामी सोच से आज ना केवल डुमरांव बल्कि आसपास की लड़कियां शिक्षा ग्रहण कर विभिन्न क्षेत्र में आगे बढ़ डुमरांव सहित जिले का नाम रौशन कर रही हैं। उन्होंने अपने पिता डॉ रघुवीर सिंह के नाम पर डॉ रघुबीर सिंह चिकित्सालय पुराना तालाब डुमरांव के समीप स्थापित कर चिकित्सा के क्षेत्र में भी एक बेहतर कदम उठाया था। वहीं बेटियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से 1984 में डॉक्टर जगनारायण सिंह अपनी माता सुमित्रा देवी के नाम पर कॉलेज की नींव रखी।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ सुभाष चंद्रशेखर व प्रो शैलेंद्र कुमार ने किया। वहीं शिविर में डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं को स्वस्थ रहने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। चिकित्सकों ने छात्राओं को चाउमीन, बर्गर, पिज्जा जैसे जंक फूड से दूर रहने की सलाह दी। डॉक्टरों ने छात्राओं को घर का बना शुद्ध भोजन खाने की सलाह दी। नाश्ते में दलिया, अंकुरित दाने जैसे मूंग, चना, मूंगफली का सेवन करने को कहा। साथ ही भोजन में सलाद शामिल करने और तेलीय पदार्थों का सेवन कम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और किसी समस्या होने पर शिक्षिका या अभिभावकों से बात करने की सलाह दी। मौके पर समाजसेवी शत्रुघ्न प्रसाद गुप्ता उर्फ मोहनजी, प्रो. किरण सिंह, प्रो. अंबिका सिंह, प्रो. मीरा, प्रो. उर्मिला, प्रो देवंती सिंह, प्रो बृजबिहारी सिंह, डॉ. विनोद कुमार सिंह, मनीष गिरी, चीकू सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

एक नजर

विसर्जन के दौरान गली में डीजे घुमाने को लेकर हुई मारपीट, दो जख्मी

राजपुर। सरस्वती पूजा के विसर्जन में गली में डीजे घुमाने को लेकर मारपीट हो गई। इस मारपीट में दो लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। जिनका इलाज चौसा सीएचसी में किया गया।

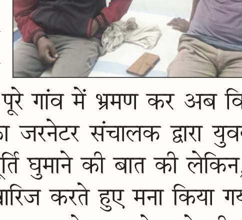

मामला राजपुर थाना क्षेत्र के रामपुर पंचायत स्थित तिवाय गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को तिवाय गांव में सरस्वती पूजा का एक कमिटी द्वारा मूर्ति विसर्जन किया जा रहा था। इसके तहत डीजे बाजा पर डांस करते हुए युवकों की टोली पूरे गांव में भ्रमण कर अब विसर्जन करने जा रहे थे। तभी उसी गांव का जरनेटर संचालक द्वारा युवकों से फरमाइश करते हुए दुबारा गली में मूर्ति घुमाने की बात की लेकिन, पूजा समिति के युवकों ने इस बात को खारिज करते हुए मना किया गया। तो जरनेटर वाले युवक ने अपना सारा सामान खोलकर ले जाने की धमकी दी। तो पूजा समिति के युवकों ने इसका विरोध किया गया। इस बात बहस होते-होते धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस बीच दोनों गुट की ओर से मारपीट शुरू हो गई। जिसमे पूजा समिति के दो लोगों का सिर फूटने से जख्मी हो गए। जिनका इलाज चौसा सीएचसी में कराया गया। इस मामले में राजपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार से बात की गई तो उन्होंने इसकी जानकारी न होने को बताया गया।

मैट्रिक की परीक्षा के लिए कार्मेल स्कूल की जगह एमवी कॉलेज को बनाया गया केंद्र

बक्सर। जिला शिक्षा पदाधिकारी के अनुशंसा पत्र के आलोक में वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2025 के लिए निर्धारित एक केंद्र में परिवर्तन किया गया है। इसको लेकर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के परीक्षा नियंत्रक ने पत्र जारी किया है। पत्र परीक्षा नियंत्रक ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा परीक्षा केंद्र के परिवर्तन को लेकर भेंजे गये अनुशंसा पत्र के आलोक में जारी किया गया है। चुरामनपुर स्थित कार्मेल परीक्षा केंद्र कोड-7511 में बदलाव करने को लेकर अनुशंसा किया गई थी। जिसके आलोक मे कोड संख्या-7511 चुरामनपुर स्थित कार्मेल परीक्षा केंद्र की जगह बदलकर नया केंद्र नगर के चरित्रवन स्थित कोड संख्या-7511 एमवी कॉलेज को बनाया गया है। कार्मेल परीक्षा केंद्र पर शामिल होने वाले परीक्षार्थी अब एमवी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर परीक्षा में शामिल होंगे। ज्ञात हो कि जिला में 17 फरवरी से 25 फरवरी तक वार्षिक माध्यमिक परीक्षा की तिथि निर्धारित है। जिसके लिए जिले में विभागीय जानकारी के अनुसार कुल 28 केंद्र बनाया गया है। जहां कुल 30 हजार 188 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। किंही कारणों से पूर्व निर्धारित परीक्षा केंद्र चुरामनपुर स्थिति कार्मेल स्कूल की जगह अब नया केंद्र एमवी कॉलेज को बनाया गया है।

हथियार व कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

बक्सर। गुप्त सूचना पर नगर थाने के पुलिस ने थाना क्षेत्र के गजाधरगंज से हथियार व कारतूस के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया हैं। जिसे थाने ले जा पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि ये तीनों अपराधी किसी आपराधिक घटना की योजना बनाने हेतु एकत्रित हुए थे। तभी इसकी भनक पुलिस को लग गई। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात एसपी शुभम आर्य को यह सूचना मिली कि नगर थानांतर्गत गजाधरगंज मोहल्ले में तीन युवक हथियार के साथ इकट्ठा हुए हैं और वह किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

सूचना तुरंत ही नगर थाने की पुलिस तथा डीआइयू की टीम को दी गई, जिसके बाद नगर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने टीम बनाकर छापेमारी की। इस दौरान गजाधर गंज निवासी सोनू गुप्ता उसके भाई अमित गुप्ता एवं अंकित राय को पकड़ा लिया उनके पास से एक पिस्तौल व दस जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह का कहना है कि पकड़े गए तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे के कार्रवाई की जा रही है।

मनोहरपुर चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, मामले में चार किशोर पकड़ाए

पूजा में कम पड़े रुपये तो नाबालिगों ने ताला तोड़कर की लाखों की चोरी

- दो दिन पूर्व बंद घर से चोरों ने उड़ाए थे आभूषण
- नगदी समेत पांच लाख रूपए मूल्य की संपत्ति

केटी न्यूज/बक्सर

विगत दो फरवरी की रात राजपुर थाने मनोहरपुर में धनन्जय पांडेय के बन्द घर का ताला तोड़ अज्ञात चोरों द्वारा नगद समेत लगभग पांच लाख से अधिक की सम्पति चोरी की गई थी। जिसको लेकर गृहस्वामी द्वारा राजपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जिसको लेकर पुलिस ने त्वरित अनुसंधान करते हुए चोरी के इस मामले का खुलासा कर दिया। जिसमें शामिल चार नाबालिगों को पकड़ा गया। जिनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किए गए। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने मीडिया को प्रेसवार्ता करते हुए दी।

उन्होंने बताया कि चोरी की घटना की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद इस कांड को पुलिस अधीक्षक द्वारा गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के द्वारा एक टीम गठित कर कांड का उद्भेदन एवं कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

अभियुक्तों ने उक्त कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की: गठित टीम के द्वारा वैज्ञानिक तकनीकी अनुसंधान करते हुए आवश्यक कार्रवाई हेतु छापेमारी की जाती है। छापेमारी के क्रम में इस कांड में शामिल चार नाबालिग राजपुर के मनोहरपुर गांव से पकड़ा गया। गिरफ्तार चारों अभियुक्तों ने उक्त कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की साथ ही उनलोगों द्वारा बताया गया कि सरस्वती पूजा में कम पैसे पड़ने से चोरी की थी। इनके पास से सोने की पांच अंगूठी, एक मंगलसूत्र व एक लाकेट, एक जोड़ी कान का बाली, एक जोड़ी चांदी का पायल, चांदी की नौ बिछिया, एक बाइक व अनाज बरामद किये गए है। एसपी ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को बाल सुधार गृह भेजा गया है। छापेमारी टीम में शामिल सदर डीएसपी धीरज कुमार, राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार, अपर थानाध्यक्ष रौशन अली, एसआई रवि कुमार व सशस्त्र बल शामिल थे।

बहोरनपुर में सीएसपी संचालक से लूट का मुख्य सरगना कृष्णाब्रह्म से हुआ गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

तीन जनवरी की शाम भोजपुर जिले के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के टिकापुर गांव के समीप बहोरनपुर बांध के पास सीएसपी संचालक को गोली मार चार लाख रूपए लूटने वाले गिरोह का मास्टर माइंड कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र से के बड़का ढकाईच गांव से पकड़ा गया है। उसे भोजपुर पुलिस अपने साथ लेकर गई है। स्थानीय पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है।

गिरफ्तार अपराधी बिकू दूबे को सीएसपी संचालक से गोली मार कैश लूट का मास्टर माइंड माना जा रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसके साथ कई अन्य युवक भी हिरासत में लिए गए है, जिनसे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में कुछ विशेष बताने से परहेज कर रही है। बता दें कि 3 जनवरी की शाम करीब साढ़े तीन बजे बाइकर्स गैंग के अपराधियों ने बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव निवासी व स्थानीय गांव में पीएनबी के सीएसपी संचालक 38 वर्षीय धर्मेन्द्र कुमार राय पिता स्व. राजेन्द्र से लूट के दौरान गोली मार जख्मी कर दिया था। अपराधियों ने उनसे चार लाख रूपए नगद लूटे थे तथा ललाट पर गोली मारी थी। सोमवार की रात ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

भोजपुर पुलिस ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है तथा घटना के 48 घंटे के अंदर ही मुख्य आरोपित को दबोचने में सफल रही है। इधर भोजपुर पुलिस की छापेमारी से कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच गांव में हड़कंप मच गया है।

डॉ. सनोज बने कृषि कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य

डुमरांव। बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर के निदेशक ने कृषि अभियंत्रण कॉलेज आरा के खाली पड़े प्राचार्य के रिक्त स्थान पर डा. सनोज कुमार को स्थानांतरित कर लिया है। डा. सनोज कुमार ने बुधवार को अपना पदभार भी ग्रहण कर लिया है। मालूम हो कि कृषि अभियंत्रण कॉलेज आरा का भवन नहीं बन पाया है, लिहाजा इसे वहां से स्थानांतरित कर वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज डुमरांव में कर दिया गया है। पदस्थापित होने वाले प्राचार्य को सारी प्रशासनिक शक्तियों को प्रयोग करने का भी आदेश दिया गया है। महीनों से खाली पड़े प्राचार्य के रिक्त पद पर विश्वविद्यालय के निदेशक द्वारा स्थानांतरित किये जाने से छात्रों में काफी खुशी है।

नाइट्रोजन प्रबंधन के लिए किसान अब ड्रोन के माध्यम से कर सकेंगे नैनो यूरिया का छिड़काव

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय मूंग की वैज्ञानिक खेती व गेहूं फसल में नाइट्रोजन प्रबंधन नैनो यूरिया का छिड़काव ड्रोन तकनीकी द्वारा प्रदर्शित किया गया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. देवकरन ने जानकारी दी कि गेहूं की फसल में नाइट्रोजन प्रबंधन के लिए यूरिया का प्रथम उपरिवेशन बुआई उपरांत 25 दिनों के बाद 30 किलोग्राम प्रति बीघा की दर से तथा इसी क्रम मे 07-10 दिनों के उपरांत पर्णीय छिड़काव नैनो यूरिया 500 मिली लीटर एवं 250 मिली लीटर सगारिका का मिश्रित छिड़काव करने से गेहूं की फसल मे कल्लों की संख्या व वानस्पतिक वृद्धि होती हैं। बढ़ते तापक्रम को देखते हुए खेत की नमी को बनाये रखने के लिए 12-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करने का सुझाव भी किसानों को दिया।

मुख्य प्रशिक्षक एवं विशेषज्ञ श्री हरिगोबिंद ने मूंग की गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन तकीनीक के अन्तर्गत बीज प्रकार, खेत का चयन एवं तैयारी, बुआई का समय, पृथककरण दूरी, रोगिंग (अवांछित पौधें), कटाई, मड़ाई, विद्यायन के की विस्तृत जानकारी से किसानों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उन्नत बीज प्रभेद विराट, शिखा, एसएमएल 668, आईपीएम 2-3, आदि जो कम अवधि 65-75 दिनों की है तथा उचित प्रबंधन द्वारा उत्पादन 10-12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त किया जा सकता हैं।

प्रशिक्षण उपरांत इफको के सहयोग से नैनो यूरिया एक एकड़ हेतु उपस्थित किसानों को उपलब्ध कराया गया। जिसमें फिल्ड सहायक अजितेश दूबे ने सहयोग दिया। साथ ही ड्रोन के माध्यम से छिड़काव का प्रदर्शन राजेन्द्र सिंह व निरंजन के खेत मे किया गया कैथी गांव से ड्रोन पायलट उत्तम पाठक ने सहयोग दिया।

बक्सर के जासो कस्तुरबा विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए एचपीवी का टीका लेना बेहद जरूरी: सीएचओ

- बच्चियों को जिले में शुरू होने वाले विशेष शिविर की दी गई जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

पिछले कुछ सालों में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस के मामलों में बढ़ोत्तरी होने से महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के बढ़ते मामलों में भी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। जिसको देखते जिले में सात फरवरी से ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। ताकि, 9 से 14 वर्ष तक की किशोरियों को एचपीवी का टीका दिया जा सके। उक्त बातें सदर प्रखंड के यूपीएचसी की सीएचओ रौशनी कुमारी ने जासो पंचायत स्थित कस्तुरबा विद्यालय में छात्राओं को जागरूक करने के दौरान कहीं। बताया जाता है कि एचपीवी टीका को लेकर समुदाय में जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। ताकि, स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को एचपीवी के टीके की विशेषता और न लेने पर उसके दुष्प्रभावों की जानकारी दी जा सके।

सर्वाइकल कैंसर की संभावना से बच सकती हैं: वहीं, नदांव पंचायत स्थित एचडब्ल्यूसी की सीएचओ प्रियंका सिंह ने बताया कि किसी भी बीमारी को रोकने के लिए उसके शुरुआती दिनों या उससे पहल बचाव के तरीकों पर ध्यान देना होता है। यदि आज आप यह टीका लगाती हैं तो भविष्य में सर्वाइकल कैंसर की संभावना से बच सकती हैं। इसी क्रम में सरकार के निर्देशों के आलोक में पहले चरण में केवल 9 से 14 साल की बच्चियों को ही टीकाकृत किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चरणवार प्रखंडों में स्थित स्कूलों का चयन कर उन स्कूलों की बच्चियों को टीकाकृत करने के लिए सदर अस्पातल में शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह टीका किशोरियों को 15 साल की होने से पूर्व ही लगवाना होगा। ऐसे में आप सभी अपने अपने परिजनों को इस टीका के संबंध में बताएं और उनसे इसके लिए स्वीकृति लें।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल की प्राचार्या ज्योति कुमारी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू किए गए इस पहल की सराहना करते हुए इस अभियान में सहयोग की सहमति जताई। साथ ही, इसके लिए अभिभावकों को जागरूक करने की बात कही। इस दौरान शिक्षिकाओं में ज्योत्सना कुमारी व प्रियंका कुमारी भी मौजूद रही।

06-02-2025_06-02-2025.qxd 2/5/2025 11:36 PM Page 4

नाली का पानी जमा होने से झील बना राज पेट्रोल पंप का इलाका, दुर्गंध से मोहल्लेवासी परेशान

♦ एक पखवाड़े से बनी हुई है समस्या, स्थायी समाधान के नाम पर बेफिक्र बना है नप

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के सबसे प्राचीन व प्रसिद्ध पेट्रोल पंप में शुमार राज पेट्रोल पंप से तेल लेना इन दिनों वाहन चालकों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। पंप के ठीक पीछे स्थित कमल नगर मोहल्ले की मुख्य नाली का निकास अवरूद्ध होने से इस पंप के दोनों गेट के पास नाली का गंदा पानी जमा हो गया है। इसके अलावे कमल नगर मोहल्ले में भी अब नाली का पानी ओवर फ्लो करने लगा है। नाली के पास के घर भी अब जलजमाव से घिर रहे है।

एक पखवाड़े से बनी इस समस्या पर नगर परिषद प्रशासन स्थायी समाधान निकालने की बात कह बेफिक्र बना हुआ है। इधर हर दिन लोगों के घरों से निकलने वाले पानी के कारण जलजमाव का दायरा बढ़ते जा रहा है। बुधवार को पेट्रोल पंप के दोनों गेट पर दस फीट से अधिक दायरे में नाली का गंदा पानी जमा हो गया था। वहीं, कमल नगर मोहल्ले के मुख्य निकास द्वार के पास भी नाली का पानी ओवर फ्लो कर जमा होने से मोहल्ले वासियों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि पिछले एक पखवाड़े से नाली के गंदा पानी के दुर्गंध से उनका जीना मुहाल हो गया है। वही, उनमें संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। नाली का गंदा पानी जमा होने से मोहल्लेवासियों में डेंगू, मलेरिया सहित अन्य बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। मोहल्ले के बब्लू पांडेय, बाबू राम राय, दशरथ राय, बब्लू सिंह, संतोष सिंह आदि ने नगर परिषद प्रशासन से तत्काल जलनिकासी कराने की मांग की है।

यह है समस्या : बता दें कि कमल नगर मोहल्ले के मुख्य नाली का निकास पेट्रोल पंप के आगे स्टेशन रोड के नीचे बने एक नाले से होता है। करीब 20 दिन पूर्व यह नाला अंदर से ही ध्वस्त हो गया है। हालांकि, नगर परिषद द्वारा उस जगह पर नया नाला बनाने का काम शुरू कर दिया गया है, लेकिन तत्काल जलनिकासी नहीं कराए जाने से जलजमाव व दुर्गंध की समस्या गंभीर बन गई है। जिस कारण मोहल्लेवासियों में आक्रोश गहराते जा रहा है।

मोहल्लेवासियों ने बताया कि तत्काल जलनिकासी कराने के लिए कई बार स्थानीय वार्ड पार्षद व नगर परिषद प्रशासन से गुहार लगाई गई। बावजूद किसी भी स्तर से इस दिशा में प्रयास नहीं किया गया। लिहाजा मोहल्लेवासी एक पखवाड़े से नाली के गंदा पानी से घिरे हैं तथा दुर्गंध के कारण घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है।

एक नजर

विधायक के आश्वासन पर अंबेडकर कल्याण छात्रावास के छात्रों ने समाप्त की भूख हड़ताल

बक्सर। स्थानीय स्टेशन रोड स्थित स्थित राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास के छात्र अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर पांच दिनों तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे रहे। उनकी प्रमुख मांगों में छात्रावास का पुनः संचालन, जिले के हर प्रखंड में नए छात्रावासों की स्थापना, बालिका छात्रावास का निर्माण और बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता शामिल थीं। प्रशासन की उदासीनता के कारण छात्रों का आक्रोश लगातार बढ़ता गया, लेकिन अनशन के पांचवें दिन डुमरांव विधायक डॉ अजित कुमार सिंह और जिला कल्याण पदाधिकारी के आश्वासन के बाद छात्रों ने अनशन समाप्त कर दिया। अधिकारियों की मौजूदगी में छात्रों को जूस पिलाकर हड़ताल खत्म करवाई गई। विधायक डॉ अजित कुमार सिंह ने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान उठाया जाएगा। प्रशासन ने फिलहाल पुराने छात्रावास में रहने की अनुमति दी है, लेकिन बाद में छात्रों को ग्यारह नंबर लख के समीप नवनिर्मित छात्रावास में भेजा जाएगा। छात्रों की प्रमुख मांगे ये थी कि अंबेडकर कल्याण छात्रावास का पुनः संचालन बिहार सरकार की नई नियमावली के अनुसार व 50 छात्रों की क्षमता वाले इस छात्रावास को फिर से चालू किया जाए। वहीं, हर प्रखंड में छात्रावास की स्थापना के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए जिले के प्रत्येक प्रखंड में छात्रावास बनाए जाएं। साथ ही, बालिका छात्रावास का शीघ्र निर्माण को लेकर पांडेयपट्टी स्थित एफसीआई गोदाम के समीप 200 सीटों वाले बालिका छात्रावास का निर्माण जल्द किया जाए। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के तहत सभी छात्रावासों में भोजन, पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। अनशन समाप्त होने के बावजूद छात्र अपनी मांगों पर अडिग हैं और यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं।

संघ ने 12 को होने वाले धरने का किया समर्थन

डुमरांव। अगामी 12 फरवारी 2025 को नगर परिषद क्षेत्र में हो रही योजनाओं पर अनियमिततापूर्ण कार्यों की जांच को लेकर जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद्र लोदी ने धरना की घोषणा कर रखी है। जदयू के नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता पहले ही इस धरना को अपना समर्थन चुके हैं। अब फुटपाथी संघ के समर्थन देने से धरना के आयोजन को और ताकत मिली है। मालूम हो कि नगर परिषद क्षेत्र में दर्जनों योजनाओं पर कार्य चल रहा है। हर योजनाओं पर कार्य मानक के विपरित किया जा रहा है, जिसको लेकर आम नागरिकों में पहले से ही रोष बढ़ा हुआ है। जदयू के प्रखंड अध्यक्ष को धरना देने की बात से इस बात की खुशी है कि इसकी आवाज तो उठने लगी है। नगर के कई सामाजिक कार्यकर्ता भी जिसके लिये धरना दे रहे हैं, उसे सही ठहराते हुए इनकी तरफ हो गए हैं।

प्रगति यात्रा को ले डीडीसी ने किया पंचायत सरकार भवन व वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

निर्धारित समय के अंदर पूरा करें कार्य नहीं होनी चाहिए कोई भी त्रुटि: डीडीसी

♦ डीडीसी ने निमाणार्धीन कार्यों को शीघ्र पूरा करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/सिमरी

15 फरवरी को सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आगमन की तिथि तय हो गई है। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजपुर परसनपाह पंचायत सरकार भवन में एवं केशोपुर वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट का मुख्यमंत्री उद्घाटन करने वाले है। प्रगति यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर चल रही है। प्रगति यात्रा को लेकर सिमरी मे विकास की बयार बहना प्रारंभ हो गई है। बुधवार को उप विकास आयुक्त महेंद्र पाल ने पंचायत सरकार भवन परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किये जायें। ताकि यात्रा के दौरान कोई रुकावट न हो। उप विकास आयुक्त ने पंचायत भवन में बनकर तैयार पुस्तकालय का निरीक्षण किया और उसे सराहा। इसके साथ ही पंचायत सरकार भवन परिसर मे नक्षत्र वाटिका, रोज वाटिका, बुद्ध पार्क से रूबरू हुए। उन्होंने शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर बल दिया। परसनपाह पंचायत में बने मॉडल पंचायत भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री करेंगे जिसको लेकर जोर शोर से पंचायत सरकार भवन को सुसज्जित किया जा रहा है। विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को दिए। वाटर ट्रिटमेंट प्लांट परिसर मे हैलिपैड एवं लगने वाले स्टॉल स्थल का भी निरीक्षण डीडीसी द्वारा किया गया। बहुग्रामी जलापूर्ति केन्द्र का भवन का रंग रोगन, साफ-सफाई का भी डीडीसी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी शशिकांत शर्मा, प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी रोहिणी कुमारी, डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सीएम के कार्यक्रम के दौरान पुख्ता रहेगी सुरक्षा

सिमरी। मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा की तिथि तय होने के बाद सुरक्षा को लेकर पुलिस महकमा तैयारियां शुरू कर दिया है। 15 फरवरी को मुख्यमंत्री राजपुर परसनपाह पंचायत सरकार भवन व बहुग्रामी जलापूर्ति केंद्र का उद्घाटन करेगें। जिसको लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई है। मुख्यमंत्री विकास योजनाओं का समीक्षा करेगें। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बुधवार को डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने तिलक राय के हाता थाना पहुंच कर सुरक्षा को लेकर थानाध्यक्ष, सार्जेन्ट एवं सीआई के साथ बैठक कर विचार-विमर्श किया। समीक्षा में रूट चार्ट, पुलिस बल की तैनाती, वीआईपी वाहनों की पार्किंग, हैलिपैड का सुरक्षा, मुख्यमंत्री की कारकेड की सुरक्षा की मंत्रणा की गई। सुरक्षा की व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग मुस्तैद दिख रही है। बैठक में सीआई ओमप्रकाश, सीआई विमल कुमार, सार्जेन्ट राहुल कुमार, इंसपेक्टर विजय तिवारी, तिलक राय के हाता थानाध्यक्ष लालबाबू सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हुई सरस्वती पूजा, प्रशासन मुश्तैद

बक्सर/डुमरांव। बुधवार को पूजा पंडालों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। बक्सर व डुमरांव सहित जिलेभर में प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस प्रशासन मुश्तैद रहा। दोपहर बाद प्रतिमा विजर्सन को निकले श्रद्धालु नाचते गाते हुए जा रहे थे। जिस कारण देर तक ट्रैफिक व्यवस्था बाधित रही। इस दौरान बक्सर व डुमरांव के शहरी क्षेत्र में प्रशासन द्वारा यातायात नियमों में बदलाव किया गया था तथा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शहर में वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया था।

इसके अलावे जिन जलाशयों में प्रतिमाओं को विसर्जित किया जा रहा था वहां दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किये गये थे। इसके अलावे नाव व गोताखोर के अलावे एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी, ताकी किसी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सकें। हालांकि, ऐसी कोई नौबत नहीं आई। प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

सरस्वती पूजा के अवसर पर रघुनाथपुर में नृत्य व संगीत प्रतियोगिता आयोजित

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर में सरस्वती पूजा के दूसरे दिन मां सती स्थान पूजा समिति द्वारा नृत्य और गीत संगीत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें पटना, बक्सर सहित अन्य जिलों के कलाकार सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी एवं पर्यावरण कार्यकर्ता शैलेश ओझा एवं प्रखंड प्रमुख ददन यादव के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गई तत्पश्चात आगत अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में ग्रुप डांस श्रेणी में लक्की डांस ग्रुप बक्सर ने प्रथम पुरस्कार जीता वहीं बारूद डांस ग्रुप बक्सर को द्वितीय पुरस्कार मिला। सोलो डांस श्रेणी में रोहन कुमार को प्रथम तथा आदित्य कुमार को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। मुकुंद गोलू बक्सर को सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार के रूप में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान बौने हास्य कलाकार भूटानी एवं गणेश कुमार ने अपने हास्य अभिनय से लोगों का खूब मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के अंत में सभी कलाकारों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समाजसेवी शैलेश ओझा ने पूजा समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सामाजिक समरसता बढ़ती है और स्थानीय कलाकारों का मनोबल भी। इस तरह के आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय कलाकार सर्वजीत कुमार ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा समिति के सदस्य मंजूर आलम, करण यादव, रितेश एवं मुन्ना का विशेष योगदान रहा।

गरीबों को नहीं मिल रहा राशन, पीडीएस दुकानों में लगा ताला

डुमरांव। फेयर प्राईस डीलर्स एसोसिएशन के आह्वान पर सभी डीलर हड़ताल पर चले गए हैं। इनके हड़ताल पर चले जाने से इनके दुकानों पर ताला लटक गया है। डीलर अब नहीं वितरण के लिये राशन उठा रहे हैं और नहीं वितरण कर रहे हैं। राशन लेने के लिये कार्डधारी दुकान पर जाते हैं जरूर, लेकिन उन्हें बैरन वापस लौटना पड़ता है। डीलरों के हड़ताल से सबसे अधिक परेशानी गरीब परिवारों को हो रही है जो इसी के सहारे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

मालूम हो कि डुमरांव अनुमंडल में 496 पीडीएस दुकान मौजूद हैं। हर दुकान से सैकड़ो परिवार जुड़े हुए हैं, ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि कितने परिवारों की रोजी-रोटी बंद हो गई है। इस संबंध में फेयर प्राईस डीलर्स एसोसिएशन के अनुमंडल अध्यक्ष भुटेली सिंह ने कहा कि पटना में हमारे नेता विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हुए हैं, जबतक मांग नहीं मानी जाती है, हड़ताल नहीं टूटेगी। इधर सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं का कहना है कि डीलरों के हड़ताल के कारण गरीब परिवारों के आगे राशन के लाले पड़ गए हैं, जिसका निदान निकालना चाहिए।

खोइछा बांध मां सरस्वती को दी गई विदाई

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के विभिन्न गांवों में विराजमान मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन बुधवार को किया गया। सुबह से ही विभिन्न पूजा पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन किया गया। इसके बाद प्रतिमा को गांवों के मोहल्ले में घर घर पहुंचाया गया । इस दौरान महिलाओं ने नम आंखों से खोईछा बांधकर मां सरस्वती की विदाई की। मां सरस्वती के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

युवाओं की टोली ने जमकर अबीर गुलाल लगाते हुए बसंती गीतों की धुन पर खूब डांस किया। मां के जयकारे से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। वही एक दूसरे को भी अबीर गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया।प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार क्षेत्र के गांव केसठ, रामपुर कतिकनार, दसियांव, डिहरा समेत अन्य गांवों में मां की प्रतिमा का विसर्जन नदी,तालाबों एवं नहरों में किया गया। इस दौरान मजिस्ट्रेट और पुलिस बल मुस्तैद रहे।

कुलमनपुर में सामाजिक नाटक गरीब गुंडा का हुआ मंचन

हमारी भारतीय संस्कृति की प्राचीन विधाओं में से एक है नाटक का मंचन : कृष्ण मुरारी

♦ सरस्वती वंदना से की गई नाटक की शुरूआत

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के कुलमनपुर गांव में नवयुवक क्लब सरस्वती पूजा समिति के तत्वावधान में वसंत पंचमी के अवसर पर स्थानीय युवकों ने मंगलवार की रात सामाजिक नाटक गरीब गुंडा का मंचन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी कृष्ण मुरारी दूबे ने फीता काटकर किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राजेश कुमार एवं देवेंद्र राम ने संयुक्त रूप से किया। नाटक की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गई। मुख्य अतिथि ने कहा कि नाटक का मंचन भारतीय संस्कृति की प्राचीन विधा है। नाटक के अंदर मिली अच्छाईयों को ग्रहण करने की जरूरत है। जिससे समाज व परिवार में एक परिवर्तन आएगा। पूर्व में विभिन्न महत्वपूर्ण पर्व त्योहारों के अवसर पर स्थानीय युवकों के तहत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित नाटक का मंचन किया जाता था। जो समाज और परिवार के लिए काफी उपयोगी साबित होता था। इससे स्थानीय युवकों में आत्मविश्वास एवं एकजुटता की भावना जागृत होती थी। इसके साथ ही साथ लोगों को भारतीय संस्कृति व एतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होने का अवसर मिलता था। नाटक गरीब गुंडा में युवाओं की भूमिका और प्रस्तुत अभिनय की लोगों ने जमकर तारीफ की। नाटक में युवकों ने विभिन्न प्रकार के हास्य व्यंग पर आधारित प्रहसन भी प्रस्तुत किए। जिसे दर्शक लोट-पोट हो गए।

मौके पर समाजसेवी अमर सिंह, मोनु तिवारी, सरपंच विष्णु देव पासवान, बीडीसी मंजु कुमारी, रजनी कांत दुबे, मनोज कुमार, टुना दुबे, गौरी शंकर यादव कुंडल पासवान, राहुल पांडेय, हरिओम पांडेय, राज दुबे, चंदन कुमार, हरेराम कुमार, रोहित कुमार, रितेश कुमार, लव कुश कुमार समेत कई अन्य शामिल थे।

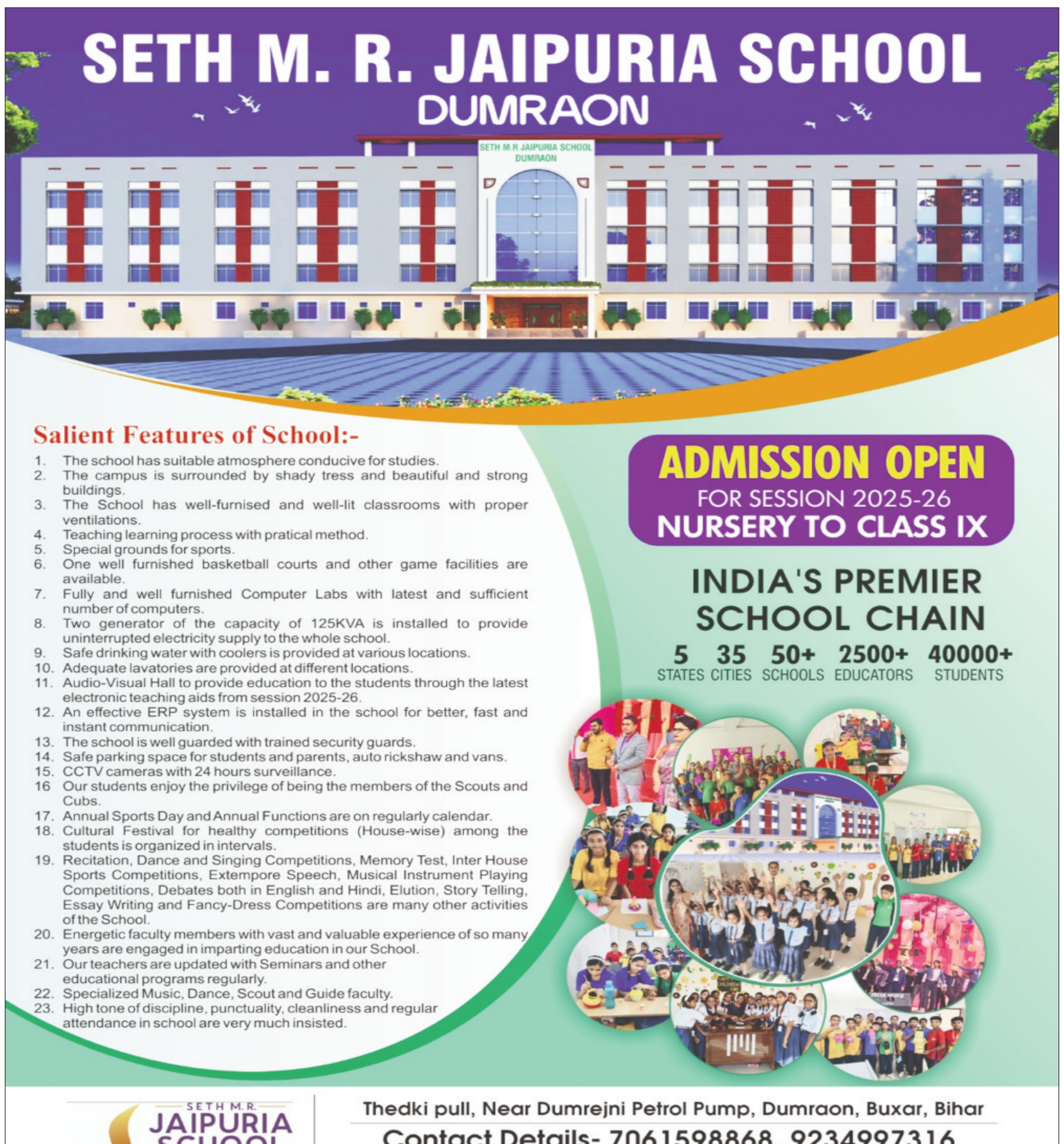

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री से कांग्रेस झारखंड प्रभारी सहित अन्य नेताओं ने की मुलाकात

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित अन्य नेताओं ने मुलाकात की। मुलाकात करने वाले नेताओं में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव शामिल हैं। इस मौके पर राज्य एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार- विमर्श हुआ। इसके साथ राज्य में संचालित विकास एवं जन कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर भी चर्चा हुई। इस मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता रियाज़ अहमद भी मौजूद थे।

एडीजी ने ई-साक्ष्य ऐप को लेकर की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। एडीजी प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण सुमन गुप्ता ने मंगलवार को ई साक्ष्य ऐप को लेकर पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी जोनल आईजी, डीआईजी, और जिलों के एसएसपी, एसपी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इसमें एडीजी गुप्ता ने ई-साक्ष्य ऐप के उपयोग से संबंधित विषय और स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अलावा आपराधिक कानून में प्रावधानित अपराध दृश्य, घटनास्थल, तलाशी और जब्ती प्रक्रिया और वादी एवं साक्षियों के बयान को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से रिकॉर्ड किये जाने और ई-साक्ष्य ऐप पर अपलोड करने पर समीक्षा हुई। समीक्षा में एडीजी ने अनुसंधान के मद्देनजर सभी जिलों के सभी एसपी को इस तथ्य से अवगत कराया कि जिस कांड में सात साल से अधिक का सजा का प्रावधान है, उस कांड की विशेष रूप से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के लिए शत प्रतिशत अनुसंधानकर्ताओं को ई-साक्ष्य ऐप का उपयोग अनिवार्य रूप से कराया जाए। साथ ही एडीजी ने हिदायत दी कि अनुसंधान में वांछित वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी नहीं होने से भविष्य में कोर्ट द्वारा कोई प्रतिकूल टिप्पणी की जाती है या अनुसंधान को खारिज किया जाता है, या फिर झूठा होने का निर्णय दिया जाता है। तो ऐसे में इसकी पूरी जिम्मेदारी कांड के अनुसंधानकर्ता पर होगी। बैठक में कार्तिक एस, संध्या रानी मेहता, राजीव कुमार सिन्हा, अनुप रंजन, संदीप कौशिक सहित अन्य शामिल थे।

लातेहार में दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

लातेहार, एजेंसी। लातेहार एसपी कुमार गौरव के समक्ष मंगलवार को नक्सली संगठन जेजेएमपी के दो नक्सलियों ने आत्म समर्पण कर दिया। दोनों नक्सली लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत होसीर गांव के रहने वाले हैं। लातेहार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित एक समारोह में दोनों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जिन्हें एसपी कुमार गौरव और सीआरपीएफ के कमांडेंट यादराम बुनकर ने माला पहना कर स्वागत किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि सरकार के आत्म समर्पण नीति से प्रभावित होकर दोनों नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज के मुख्य धारा में लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ पुलिस के द्वारा किए जा रही लगातार कार्रवाई से नक्सली काफी कमजोर हुए हैं। इसी क्रम में दोनों नक्सलियों ने सीआरपीएफ और छिपादोहर थाना प्रभारी धीरज कुमार से संपर्क कर आत्म समर्पण करने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद अधिकारियों के द्वारा की जानकारी दी गई। मंगलवार को दोनों ने पुलिस के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया है। एसपी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले दोनों नक्सलियों के खिलाफ हिंसा के मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि पप्पू साहू पर तीन उग्रवादी हिंसा के मामले दर्ज हैं। जबकि चंदन साहू पर एक मामला दर्ज है।

पूरे देश में अंधेरा कर देंगे..., हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार को दी अंतिम चेतावनी

धनबाद, एजेंसी। झामुमो के 53 वें स्थापना दिवस पर गोल्फ ग्राउंड में हुई सभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी पत्नी व गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार से हम अपना एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया लेकर रहेंगे।

इसके लिए अभी चिट्ठी पत्री लिखा है और संदेश भेजा है। हक नहीं दिया गया तो केंद्र सरकार से कानूनी लड़ाई तो लड़ेंगे ही कोयला खदानों को भी ठप कर देंगे। इससे पूरा देश अंधकार में डूब जाएगा। झारखंड अब केंद्र सरकार का सौतेला व्यवहार बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कोयला मंत्री झारखंड आए थे। उनसे मुलाकात हुई। कोयला मंत्री ने कहा कि झारखंड में जमीन की दर अधिक है, इसे कम किया जाना चाहिए। हमने कहा कि जमीन हमारी है और जो हम चाहेंगे वहीं दर जमीन की रहेगी। उन्होंने कहा कि कोल कंपनियां जिन खदानों से खनन बंद कर चुकी है, उसे जमीन मालिक को वापस कर दे।

यदि ऐसा नहीं किया गया तो हम उस पर कब्जा करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत बजट में झारखंड की उपेक्षा को लेकर भी केंद्र सरकार पर बरसे। सोरेन ने कहा कि जो बजट पेश हुआ है, उसमें भी झारखंड को कुछ नहीं मिला है। मनरेगा की राशि कम कर दी गई है। 50 लाख करोड़ के बजट में केंद्र सरकार को 12 लाख करोड़ रुपये सूद के रूप में वापस करने हैं।

पूर्व मंत्री बेबी देवी की हार का दर्द मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाषण में छलका। उन्होंने कहा कि बेबी देवी के कारण ही मंइयां सम्मान योजना लागू की गई। इस चुनाव में खूब षडयंत्र हुआ। बेबी देवी हार गई। हेमंत सोरेन ने कहा कि अभी पेड़ खड़ा है। एक-दो पत्ता ही तो टूटा है। फिर से पेड़ पर नए पत्ते आएंगे। घबराने की बात नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सावधान रहने की जरूरत है। ठग आने वाले हैं। यह एक हजार को दो हजार करने की बात कहेंगे। इनके झांसे में नहीं आना है। धनबाद जैसे जिलों में लाटरी का झांसा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सहारा इंडिया ने भी यहां के लोगों के पैसे डूबा दिया। इन पीड़ितों के साथ उनकी सरकार खड़ा रहेगी।

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन सभा में छाई रहीं। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत कोविड और ईडी की कार्रवाई से की। उन्होंने कहा कि झारखंड के लिए वो काला दिन था, जब हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया। लेकिन विपक्षियों की यह साजिश नाकाम हुई। जो जेल गया वो हेमंत सोरेन था, लेकिन जो जेल से बाहर आया वो गुरूजी हैं। उन्होंने हेमंत की तुलना दिशोम गुरू शिबू सोरेन से की। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान भाजपा ने 40 लोगों को अपना स्टार प्रचारक बनाया। उन्हें बाहर से यहां लाया गया था, लेकिन सब बेकार रहा।

कल्पना सोरेन ने अपने संबोधन के दौरान चुटकी भी ली। उन्होंने कहा कि कोई अपने 56 इंच के सीने की बात करता है, जबकि उनके 56 विधायक ही काफी हैं। ऐसी ताकतों से निपटने में झामुमो अकेले सक्षम है।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि भाजपा और आजसू ने झारखंड को अपना चारागाह बना दिया है। आदिवासियों व मूलवासियों को परेशान किया जा रहा है। यही कारण है कि विधानसभा चुनाव से पहले हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया।

चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने हर कोशिश की। हेमंत के जेल जाने के बाद झामुमो 56 सीटों पर जीत दर्ज कर बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब हुई। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन पार्ट टू चल रहा है। विपक्षी दल तोड़ने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सभी एकत्रित रहें। भाजपा ने जो उत्पात मचाया है इसका जवाब देना है। 2039 तक झारखंड में भाजपा को नहीं आने देना है।

मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि कोयलांचल में उत्खनन कर रही आउटसोर्सिंग कंपनियां कोयला लूटने का काम कर रही हैं। स्थानीय को रोजगार नहीं दिया जा रहा। दूसरे राज्य के लोग काम कर रहे हैं और अपने आप को झारखंड का मालिक समझ रहे हैं। जबकि असली मालिक यहां के आदिवासी, मूलवासी और खतियानी लोग हैं।

सतारूढ़ दल के मुख्य सचेतक सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि धनबाद की सबसे बड़ी समस्या यहां का विस्थापन है। इसका समाधान बीसीसीएल समेत तमाम कंपनियां नहीं कर रही हैं। इनकी ओर से कोयला खनन का कार्य आउटसोर्सिंग कंपनियों को दे दिया गया है और ये कंपनियां गुंडागर्दी कर रही हैं। बीसीसीएल जैसी कंपनियों को यहां के लोगों के बारे में सोचना होगा।

धनबाद में झामुमो का 53वां स्थापना दिवस: सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्र को दी चेतावनी, कहा- बंद कर दी जाएंगी सभी खदानें

धनबाद, एजेंसी। गोल्फ ग्राउंड रणधीर वर्मा स्टेडियम में झामुमो ने 53 वां स्थापना दिवस मनाया गया. यहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए. इनके साथ मंत्री हफीजुल हसन, योगेंद्र महतो, विधायक सह सचेतक मथुरा महतो, पूर्व मंत्री बेबी देवी, मिथिलेश ठाकुर सहित पार्टी के नेता पदाधिकारी शामिल हुए. वहीं धनबाद के साथ गिरिडीह, बोकारो, जामताड़ा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. आदिवासी परम्परागत वेशभूषा में पुरुष और महिला मांदर, तीर-धनुष लेकर भी कार्यक्रम में पहुंचे थे.

कार्यक्रम स्थल पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन बरवाअड्डा हवाई अड्डा हेलीकॉप्टर से पहुंचे. यहां डीसी माधवी मिश्रा और एसएसपी एचपी जनार्दनन ने बुके देकर स्वागत किया. जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया.

वहीं, स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने केंद्र सरकार पर जमकर प्रहार किया. कल्पना सोरेन ने स्थापना दिवस में पहुंचे कार्यकर्ताओ का अभिवादन जोहार कह कर किया. यहां उन्होंने कहा कि पिछले साल ईडी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की गई थी. वह दिन राज्य के लिए काला दिन है. ईडी कार्रवाई में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल गए, पांच महीने बाद जेल से गुरुजी बनकर निकले. केंद्र सरकार 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया रखी है, जो नहीं दे रही. जब तक बकाया केंद्र सरकार नहीं देगी, तब तक हम चैन नहीं लेने वाले हैं. कल्पना सोरेन ने कहा कि राज्य में फिर से हेमंत सरकार बनी है. वह सभी मंईयां के कारण हुआ है. 56 इंच के लिए 56 विधायक मंईयां ने जिताया है. मंईयां योजना लागू हुआ महिलाओं को 2500 मिल रहा है. यह पूर्व मंत्री बेबी देवी के कारण संभव हो पाया है.

वहीं, हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया रखी है. केंद्र इस बकाये को देना नहीं चाहती है. अभी चिट्ठी पत्री लिख रहे, इसके बाद कानूनी लड़ाई और फिर उसके बाद सभी कोयला खदानों को बंद कर देंगे. सहारा इंडिया गरीबों का पैसा लेकर भाग गई. सहारा को सभी का पैसा लौटाना होगा. नहीं तो झारखंड सरकार हर लड़ाई लड़ने को आम जनता के लिए तैयार है. झारखंड में जमीन माफिया दलाल सक्रिय है, जो बीडीओ सीओ गलत करेगा उसपर तुरंत कार्रवाई होगी, सीओ बीडीओ को जेल भेजेंगे. झारखंड की मंईयां योजना की चर्चा देशभर में है. अब दिल्ली में इसका फोटो कॉपी करने का वादा किया गया है.

नगड़ी डबल मर्डर : जमीन विवाद में हत्या की आशंका, हिरासत में आधा दर्जन लोग

रांची, एजेंसी। मंगलवार की रात रांची के नगड़ी में हुए दोहरे हत्याकांड को जमीन विवाद के चलते अंजाम दिए जाने की बात सामने आ रही है. हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए रांची एसएसपी ने एसआईटी का गठन किया है. रांची के नगड़ी में हुए दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में रांची पुलिस की टीम आधा दर्जन लोगों से पूछताछ कर रही है. रांची एसएसपी चंदन सिन्हा खुद मामले पर नजर रखे हुए हैं.

आपको बता दें कि मंगलवार की शाम करीब सात बजे स्कूटी सवार दो अपराधियों ने नगड़ी थाना क्षेत्र के कतरपा गांव में बुधराम मुंडा और मनोज कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी. दोनों मृतक चाचा-भतीजा हैं. अब तक की जांच के अनुसार जमीन विवाद के चलते दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया है.

डबल मर्डर केस की गुत्थी सुलझाने के लिए रांची पुलिस को जो भी सुराग मिल रहा है, उसके आधार पर तुरंत ताबड़तोड़ छापेमारी भी की जा रही है. रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि दोहरे हत्याकांड मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, सभी से पूछताछ की जा रही है. जमीन से लेकर आपसी रंजिश तक हर एंगल से जांच की जा रही है.

अचानक पहुंचे अपराधी, गोली मार हुए फरार

रिम्स में मौजूद मृतक मनोज की बहन प्रीति ने बताया कि वह घर में खाना खा रही थी, इसी दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जब वह दौड़कर वहां पहुंची तो बुधराम मुंडा और मनोज कच्छप दोनों जमीन पर पड़े थे. आनन-फानन में दोनों को अस्पताल लाया गया लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया. 30 वर्षीय मनोज मुंडा और 32 वर्षीय बुधराम मुंडा चाचा-भतीजा थे. प्रीति के अनुसार हत्यारों ने बमुश्किल तीन से चार मिनट में दोनों को गोली मार दी और भाग गए. ऐसा लग रहा है जैसे वे काफी समय से दोनों की रेकी कर रहे थे. जैसे ही सरस्वती पूजा विसर्जन की भीड़ कम हुई, मनोज और बुधराम को गोली मार दी गई.

प्रशिक्षित गोताखोर को सरकार देगी 10 हजार रुपए मानदेय, अब संकीर्ण गलियों में पहुंचेगी अग्निशमन की गाड़ियां

रांची , एजेंसी। राज्य के चिन्हित जलाशयों पर बचाव उपकरणों से लैस गोताखोरों की तैनाती की जाएगी. इसके लिए पंजीकृत पेशेवर मछुआरों को प्रशिक्षित किया जाएगा. चयनित गोताखोरों को 10 हजार रुपये मानदेय भी दिया जाएगा. मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन से संबंधित राज्य कार्यकारी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया.

इसके साथ ही अतिवृष्टि, सर्पदंश, खनन आपदा, वज्रपात, विकिरण जनित आपदा, पानी में डूबने, भगदड़ व गैस रिसाव तथा सड़क दुर्घटना के कारण जान-माल की हानि से मरने वाले व्यक्ति के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान के भुगतान के लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई. इससे किसी भी आपदा के बाद जिले द्वारा राशि की मांग करने तथा उसकी स्वीकृति में लगने वाले समय से बचा जा सकेगा. संबंधित जिलों के उपायुक्त परिस्थिति के अनुसार तत्काल इस राशि का उपयोग कर सकेंगे.

बैठक में राज्य में आंधी-तूफान व लू से संभावित जान-माल की हानि को देखते हुए राज्य की विशिष्ट स्थानीय आपदा के अंतर्गत आपदा घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य में प्राकृतिक कारणों से होने वाली क्षति से निपटने के लिए आपदा राहत की त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित विभाग को दिया है. उन्होंने कहा है कि समय पर राहत एवं बचाव कार्य से प्राकृतिक आपदा से होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है.

अब संकीर्ण गलियों में भी पहुंचेगी अग्निशमन की गाड़ियां : बैठक के दौरान राज्य के शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों की संकरी गलियों में बने मकानों एवं भवनों में आग लगने की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य के लिए 39 दमकल गाड़ियों के लिए अग्निशमन वाहन (मिनी वाटर टेंडर विद मिस्ट टेक्नोलॉजी) क्रय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. आपदा प्रबंधन विभाग झारखंड अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र की मदद से वज्रपात एवं डूबने से होने वाली मौतों के हॉटस्पॉट की पहचान करेगा. इसके बाद चिह्नित स्थानों एवं क्षेत्रों में इस संकट से निपटने की रणनीति बनाई जाएगी.

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित आपदा प्रबंधन से संबंधित राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, होमगार्ड एवं अग्निशमन के डीजी अनिल पाल्टा, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, आपदा प्रबंधन सचिव राजेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

रांची में बड़ा हादसा, टोल प्लाजा का लाइट टावर ऑटो पर गिरा, दो महिलाओं की दर्दनाक मौत

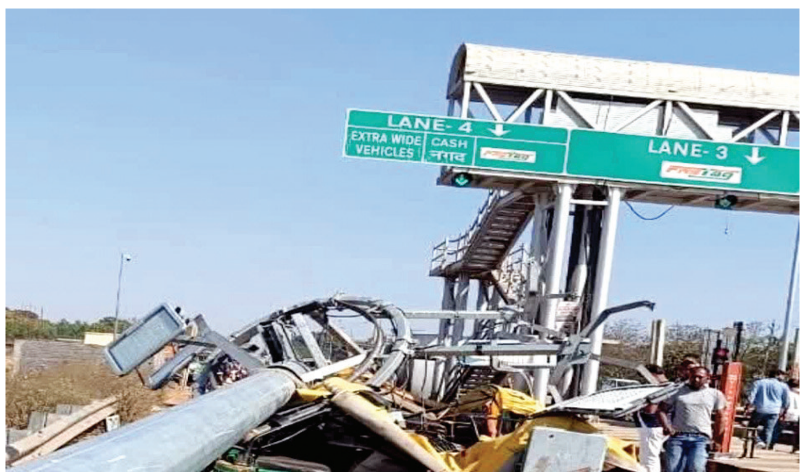

रांची, एजेंसी। राजधानी में एक बड़ा हादसा हुआ है. रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा का लाइट टावर एक ऑटो पर जा गिरा. इस हादसे में दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई है. जबकि हादसे में ऑटो में बैठे पांच यात्री बुरी तरह से जख्मी हुए हैं. घायलों को स्थनीय लोगो की सहायता से पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है. नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि हादसे में दो महिलाओं की मौत हुई है, जबकि पांच घायल हैं.

ऑटो में आठ यात्री सवार थे : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बेड़ो टोल प्लाजा के पास से एक ऑटो गुजर रहा था. ऑटो में आठ के करीब यात्री बैठे हुए. इसी दौरान टोल प्लाजा के पास स्थित लाइट टावर अचानक ऑटो पर जा गिरा. इस हादसे में आठों यात्री ऑटो में ही दब गए. हादसे को देख स्थानीय और टोल कर्मी भागे भागे मौके पर पहुचे और ऑटो में दबे यात्रियों को निकालने की कोशिश करने लगे. इसी बीच नगड़ी पुलिस भी मौके पर पहुची. लेकिन इस दौरान ऑटो में सवार दो महिलाओं की मौत मौके पर ही हो चुकी थी. वहीं पांच यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं. सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है.

लाइट टावर का अगला हिस्सा गिरा, इसलिए हुआ ज्यादा नुकसान : टोल प्लाजा के पास स्थित लाइट टावर का अगला भाग जिसमें काफी सारे लाइट्स लगे रहते हैं, वही भाग ऑटो पर गिरा था. इस वजह से किसी को संभलने का मौका नहीं मिला. दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जो यात्री घायल हैं उनकी स्थिति भी ठीक नहीं है. स्थानीय लोग और पुलिस की टीम सही समय पर मौके पर पहुंच गई, नहीं तो हताहतों की संख्या और ज्यादा होती. जिन दो महिलाओं की जिन दो महिलाओं की मौत हुई है उनकी पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है. रांची जिला प्रशासन के द्वारा लाइट टावर कैसे गिरा इसकी जांच भी की जा रही है. मामले में जो भी दोषी होगा उस पर भी कार्रवाई की जाएगी.

रांची एसएसपी की पत्नी कंचन सिंह बनीं आईएएस, नॉन स्टेट सिविल सर्विस के 6 अफसरों को मिली प्रोन्नति

रांची, एजेंसी। झारखंड के छह नॉन स्टेट सिविल सर्विस के अधिकारियों के लिए खुशखबरी है. इनको भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत झारखंड कैडर में प्रोन्नति मिली है. केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है. साल 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध इन सभी को प्रोन्नति मिली है. इनमें कंचन सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सीता पुष्पा, बिजय कुमार सिन्हा, प्रीति रानी और राजेश प्रसाद के नाम शामिल हैं.

रांची एसएसपी की पत्नी भी बनीं आईएएस : आपको बता दें कि आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाने वाली कंचन सिंह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी हैं. उन्होंने सीडीपीओ पद से सेवा की शुरुआत कर इस मुकाम को हासिल किया है. इस लिस्ट में शामिल बिजय कुमार सिन्हा इंजीनियरिंग सेवा से जुड़े रहे हैं. नोटिफिकेशन जारी होने के बाद संबंधित अधिकारियों को बधाई देने का तांता लगा हुआ है.

लोहरदगा जिला की समाज कल्याण पदाधिकारी को भी मिला प्रमोशन : वहीं लोहरदगा जिला की समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा भी आईएएस प्रोन्नत हुई हैं. सीता पुष्पा रांची के कांके की रहने वाली हैं. उनके पति बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में अधिकारी हैं. जबकि पुत्र रांची लॉ यूनिवर्सिटी में चौथे वर्ष का विद्यार्थी है.

लोहरदगा जिला की समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा ने एक लंबा समय लोहरदगा जिला में गुजारा है. वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2018 तक वह लोहरदगा जिला के सदर प्रखंड के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का दायित्व संभाल चुकी हैं. इसके बाद प्रमोशन होने के उपरांत वह लोहरदगा में फिर से जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के पद पर वर्ष 2023 में आई हैं. जिसके बाद से अभी तक यही हैं.

सीता पुष्पा के आईएएस बनने पर उन्हें बधाइयां मिल रही हैं. झारखंड के छह नॉन स्टेट सिविल सर्विस के अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत झारखंड कैडर में प्रोन्नति मिली है. साल 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध इन सभी को प्रोन्नति मिली है.

सीता पुष्पा ने कहा कि विभागीय दायित्वों को उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में निर्धारित समय सीमा के अंदर शत-प्रतिशत पूरा करने का वह प्रयास कर रही हैं. अभी भी वह समर्पित रूप से काम कर रही हैं. विभागीय योजनाओं को पूर्ण करने में हमेशा उनकी टीम शीर्ष पर रही है. इसी उद्देश्य को लेकर उन्होंने काम भी किया है. आगे जो भी दायित्व सौंपा जाएगा, उसे बेहतर तरीके से समय सीमा के अंदर पूर्ण करने की ओर उनका लक्ष्य होगा.

आपको बता दें कि इससे पहले जुलाई 2023 में पहली बार राज्य पुलिस सेवा के 24 पुलिस पदाधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नति मिली थी. तब तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी को पिन और बैज लगाकर सम्मानित किया था. इस मौके पर आयोजित समारोह के दौरान तत्कालीन मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाते हुए कहा था कि आपको प्रोन्नति मिलने में थोड़ा विलंब जरूर हुआ, लेकिन यह भी समझना होगा कि 24 पुलिस पदाधिकारियों को एक साथ आईपीएस में प्रोन्नति देने वाला झारखंड देश का पहला राज्य होगा. आपको बता दें कि इसी बैच के कई आईपीएस अलग-अलग जिलों में पुलिस कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं.

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी करार, सजा पर फैसला आज

धनबाद, एजेंसी। छह वर्षीय मासूम लड़की से दुष्कर्म मामले में मंगलवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने हरिहरपुर धनबाद निवासी असीम कुमार कर्मकार को दोषी करार दिया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए पांच फरवरी निर्धारित की है. अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश ने किया. प्राथमिकी पीड़िता की मां की शिकायत पर हरिहरपुर थाने में दर्ज की गयी थी. इसके मुताबिक 25 मई 2024 की शाम असीम बाइक पर बच्ची को बैठाकर अपने साथ जंगल की ओर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया था. बच्ची ने यह घटना अपनी मां को बतायी थी. उसने यह भी बताया था कि जब वह चिल्लाने लगी थी, तो असीम ने उसका मुंह अपने हाथ से बंद कर दिया था. धनबाद सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता तथा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बबन लाल का स्मृति दिवस मंगलवार को उनके चेंबर में मनाया गया.

06-02-2025_06-02-2025.qxd 2/5/2025 11:36 PM Page 6

सुभाषितम्

अपनी खुशियों की प्रत्येक पल का आनंद लें क्योंकि यह बुढ़ापे का अच्छा सहारा है
- क्रस्टोफर मोल

देश हुआ आर्थिक मंदी का शिकार

हाल ही में प्रकाशित फोर्ब्स की सूची में भारत को दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की सूची से बाहर कर दिया गया है। रुपये की ऐतिहासिक गिरावट और बेरोजगारी के बढ़ते आंकड़े, भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। भारत अभी भी सपने की आर्थिक स्थिति को लेकर आत्ममुग्ध है। भारत को सपने से बाहर निकलकर वास्तविक स्थिति को स्वीकार कर आर्थिक नीति में बड़े सुधारों की ओर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। भारत को पिछले कई वर्षों से विश्वगुरु और आर्थिक महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वास्तविकता ठीक इसके विपरीत है। जिन देशों की अर्थव्यवस्था भारत से छोटी है, वे वैश्विक शक्ति-सूचकांकों में भारत से कहीं ज्यादा आगे निकल चुके हैं। रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और इजराइल 10 शक्तिशाली देश की सूची में शामिल हैं। जबकि भारत 10 देशों की सूची में शामिल नहीं है। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर रुपये की गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर संकेतक है। डॉलर के मुकाबले रुपया 87 के स्तर तक पहुंच गया है। डॉलर महंगा होने के कारण विदेश से होने वाला आयात महंगा हो गया है। भारत का व्यापार संतुलन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। भारत से निर्यात कम हो रहा है, आयात बढ़ता चला जा रहा है। घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के स्थान पर भारत की बाजार नीतियां आयात को बढ़ावा दे रही हैं। भारत में जीडीपी की तुलना में 3 गुना कर्ज हो गया है। 3 लाख करोड़ ब्याज में चुकाना पड़ रहा है। भारत के बाजार में चीनी उत्पादों की भरमार से स्थानीय व्यापार और कारोबार लगभग खत्म हो चला है। मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की सफलता केवल भाषणों तक सीमित रही हैं। मेक इन इंडिया पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। भारत ने अभी भी उच्च तकनीकी क्षेत्रों में काम ही शुरू नहीं किया है। आत्म निर्भर बनने की बात तो सोचना भी व्यर्थ है। सत्ता के प्रचार तंत्र ने आम नागरिकों को भाषणों और योजनाओं के जरिए यह विश्वास दिलाने की कोशिश की है। देश तेजी के साथ प्रगति कर रहा है। लेकिन यह वास्तविकता से दूर है। बेरोजगारी दर भारत में 45 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है। पिछले 10 वर्षों में असंगठित क्षेत्र की अनदेखी से करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। असंगठित क्षेत्र और कृषि क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ती ही चली गई है। कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की वापसी इस बात का प्रमाण है। औद्योगिक और सेवा के क्षेत्र पर्याप्त रोजगार देने में असमर्थ हैं। इन क्षेत्रों में लगातार बेरोजगारी बढ़ रही है। भारत सरकार को आत्मसंतोष से बाहर निकलकर आर्थिक नीतियों की समीक्षा करनी होगी। वैश्विक शक्ति-सूची के शीर्ष में आने के लिए केवल सपने देखने एवं प्रचार-प्रसार करने से लाभ नहीं होगा। वास्तविक रूप से हमें प्रयास करने होंगे। शोध और शिक्षा के लिए हमें अपने बजट को बढ़ाना होगा। गैर संगठित क्षेत्र के लोगों को फलने-फूलने का मौका देना होगा। हम अपने संसाधनों का सही उपयोग करें। नवाचार और तकनीकी विकास पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, युवाओं की सबसे बड़ी आबादी को मांग और पूर्ति के सिद्धांत से जोड़कर हमें अपनी आंतरिक जरूरतों को स्वयं पूरी करने के मार्ग में आगे बढ़ना होगा। आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। निर्यात के लिए हमें नए-नए बाजार खोजने होंगे। चीन ने पिछले दो दशक में सारी दुनिया की मांग के आधार पर अपनी उत्पादन नीति बनाई है। दुनिया के देशों को उनकी मांग के अनुसार कम से कम कीमत में उत्पाद भेजे जा रहे हैं। जिसके कारण चीन का निर्यात पिछले दो दशक में दुनिया भर के देशों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ा। चीन आर्थिक रूप से बड़ी तेजी के साथ बढ़ा। चीन में लोगों को काम मिला, उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक हो गई है। 50 फीसदी आबादी युवा है। 25 से 30 फीसदी आबादी बेरोजगार है। पिछले 10 वर्षों में असंगठित क्षेत्र का रोजगार एवं कारोबार लगभग खत्म हो गया है, जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई है। भारत सरकार ने बड़े-बड़े औद्योगिक समूहों को बड़ी सुविधायें दीं। उनको आगे बढ़ाने के लिए ऐसे कानून बनाए, जिसके कारण स्थानीय रोजगार और कारोबार पर इसका विपरीत असर पड़ा। कृषि के क्षेत्र में भी भारत सरकार की नीति सबसे ज्यादा खराब रही है। भारत सरकार दलहन और तिलहन के उत्पाद विदेशों से आयात करती है।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शाछ्ला रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

- ललित गर्ग

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दशार्ता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह

नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की ह्यमुंह में राम और बगल में छुरीह्न वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है? राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं।

भारत में आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के हो रहे हैं प्रयास

- प्रहलाद सबनानी

विश्व के कुछ देशों में सत्ता परिवर्तन के बाद आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प विभिन्न देशों को लगातार धमकी दे रहे हैं कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर देंगे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूस यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था। वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे, आयकर की सीमा को वर्तमान में लागू सीमा 7 लाख रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। साथ ही, आय पर लगने वाले कर की दर को भी बहुत कम कर दिया गया है। इस प्रकार लगभग 1 करोड़ मध्यमवर्गीय करदाताओं को लगभग 1.10 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष का अधिकतम लाभ होने जा रहा है। इस राशि से विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा एवं देश की आर्थिक विकास दर में तेजी दिखाई देगी। हालांकि इससे केंद्र सरकार के बजट पर एक लाख करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। परंतु, फिर भी बजटीय घाटा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अतः देश की वित्तीय स्थिति को सही दिशा दिए जाने के सफल प्रयास हो रहे हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती हैं। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन मिशन को चालू किया जा रहा है ताकि भारत की कम्पनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसी प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर खिलौना उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। केवल एक दशक पूर्व भारत में खिलौनों का शुद्ध आयात होता था आज भारत खिलौनों का शुद्ध निर्यातक देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत में खिलौनों के निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि एवं खिलौनों के आयात में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के खिलौनों का निर्यात किया है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है। विशेष रूप से वाराणसी, श्री अयोध्या धाम, उज्जैन एवं महाकुम्भ, प्रयागराज में पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं के बाद इन सभी शहरों की पहचान धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में पूरे विश्व में कायम हुई है। आज आध्यात्म की ओर पूरा विश्व ही आकर्षित हो रहा है अतः भारत में अन्य धार्मिक केंद्रों को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए जिससे विभिन्न देशों के नागरिक भी इन धार्मिक स्थलों पर आ सकें एवं जिससे देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 2,541 करोड़ रुपए की राशि का आबंटन किया गया है जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 850 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई थी। भारतीय पर्यटन उद्योग का आकार 25,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, जो कि बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर पूर्व के राज्यों से लेकर जम्मू एवं कश्मीर तक 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। यह ऐसे पुराने पर्यटन केंद्र हैं जिनकी पहचान कहीं खो गई है। अब इन पर्यटन केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित किये जाने की योजना बनाई जा रही है। इन केंद्रो पर पहुंच को आसान बनाने के उद्देश्य से यातायात के साधनों का विकास किया जाएगा, सर्वसुविधा सम्पन्न होटलों का निर्माण किया जाएगा, एवं इन स्थलों पर अन्य प्रकार की समस्त सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, भारत में मेडिकल पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा सकता है क्योंकि विकसित देशों की तुलना में भारत में विभिन्न बीमारियों का उच्चस्तरीय इलाज बहुत ही सस्ते दामों पर उपलब्ध है। और फिर, भारतीय नागरिकों के डीएनए में ही सेवा भावना भरी हुई है, अतः इन देशों के नागरिकों को भारत में इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर मेडिकल पर्यटन का आकार 13,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। अतः भारत में मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए जा सकते हैं।

इसी प्रकार भारत में सुरक्षा के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत अभी तक अपनी सुरक्षा सम्बंधी आवश्यकताओं के लिए सुरक्षा उपकरणों का बड़ी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान का स्पष्ट असर अब दिखाई देने लगा है और भारत आज मिसाईल सहित कई सुरक्षा उपकरणों का निर्यात करने लगा है।

यातायात नियमों का उल्लंघन बेमौत मरते लोग, जिम्मेवार कौन

- नरेन्द्र भारती

देश में प्रतिदिन खून से सड़कें लाल हो रही हैं अक्सर देखा गया है की लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और बेमौत मरते रहते हैं ’बेशक प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी2025से 17 जनवरी 2025 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया ऐसे आयोजनों प? करोड़ों रुपया खर्च किया गया सेमिनार लगाए गए और कार्यक्रम किये गए ’ यातायात के प्रति लोगों को जागरूक किया गया लेकिन सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं ’ सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं ’मानव जीवन अनमोल है।देश के नागरिको को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर रोक लग सके।सड़क सुरक्षा के ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष डेढ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है।नववर्ष 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।देश में हर रोज इतने भीषण हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नीद सो रहे हैं।कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है।यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्वि हो रही है। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है औेर मौत के मुंह में समाते जा रहे है।लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है।चिराग बूझ रहें हैं।बच्चे अनाथ हो रहे हैं। आज युवा लापरवाही के कारण जान गंवा रहे है।युवा देश के कर्णधार है जो देश का भविष्य है।प्रतिवर्ष लाखों युवा हादसों में बेमौत मारे जा रहे है।इकलौते चिराग अस्त हो रहे है।कोखें उजड़ रही है।माताओं व बहनों का सिंदूर मिट रहर हैं।बच्चे अनाथ हो रहे है।युवाओं को जागरुक करना होगा क्योकि युवा ही विकराल हो रही सड़क हादसों की समस्या को रोक सकते है। लॉकडाउन में सड़क हादसों पर लगाम लग गई थी। सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता।जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। देश में जब 22 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन लगा था तब हादसे पूरी तरह रुक गए थे। लॉकडाउन के खुलते ही सड़क हादसों में अप्रत्याशित वृद्वि हो गई।कोरोना महामारी में हादसे कम हो गए थे। लॉकडाउन में जगली जानवर सड़को पर विचरण करते थे।परिवहन पूरी तरह बंद था।प्रदूषण भी शून्य हो गया था।साल 2020 के अप्रैल व मई माह में यातायात के साधन बंद हो गए थे।जून माह में ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया था तो फिर से करोडों वाहन सड़को पर दौड़ पड़े।जनवरी 2025 से ही सड़क हादसों की रफतार बढ़ती जा रही है । साल 2024 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा था और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे थे। देश के सैंकडों सैनिक भी सड़क हादसों में शहीद हो गए थे।हजारों लोग बेमौत मारे जा रहे है।

आज का राशिफल

मेष दिन परेशानी वाला हो सकता है और आपको हर मामले में सावधानी से काम करने की सलाह है।

तुला आज लाभ होगा और धन में वृद्धि के योग हैं। आप किसी तीर्थयात्रा का प्लान बना सकते हैं।

वृषभ धन लाभ के योग बन रहे हैं। ऑफिस के लोगों पर आंख बंद करके भरोसा न करें।

वृश्चिक दिन सुधार करने में बीतेगा। किसी प्लान में कुछ बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।

मिथुन आज दिन लाभदायक रहेगा। आप करियर में कोई बड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।

धनु फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए। आप किसी मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क आज दिन सफलता से भरा रहेगा। आप नए प्रॉजेक्ट पर ध्यान देंगे और आपका मन खुश होगा।

मकर आज करियर में लाभ होगा और जिन कामों में आप अपना दिमाग लगाएंगे।

सिंह आज करियर में लाभ के योग बन रहे हैं। अगर आप यात्रा की योजना बना रहे हैं।

कुंभ कार्यक्षेत्र का माहौल अच्छा रहेगा। रूखा व्यवहार करने वाला व्यक्ति नजरों से दूर रहेगा।

कन्या आज लाभ होगा और अगर आप मन से किसी काम को करेंगे तो सफलता मिलेगी।

मीन मुश्किल हालात में मन परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का विश्वास जीतना जरूरी होगा।

विशेष

अमेरिका की धमकी से डरकर भारत ने शुल्क घटाया?

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सरकार को आयात-निर्यात में असंतुलन होने और ज्यादा ड्यूटी लगाने पर, भारत के ऊपर टैरिफ लागू करने की धमकी दी थी। भारत सरकार पर धमकी का असर हुआ। भारत सरकार ने अमेरिका से आने वाले उत्पाद पर शुल्क घटा दिया है। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को वापस लाने के लिए तैयार हो गया है। भारत सरकार के इस आत्मसमर्पण से ट्रंप साहब खुश हो गए। उन्होंने भारत पर टैरिफ नहीं बढ़ाया है। अमेरिका के इस निर्णय से डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती बनी रहेगी। अमेरिका ने चीन पर टैरिफ बढ़ा दिया है। चीन का मुकाबला करने के लिए भारत की सरजमी अमेरिका के लिए जरूरी है। इस सौदेबाजी में मोदी कमजोर पड़ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारी पड़े हैं। यह आम धारणा भारत में बन गई है।

चुनाव के बाद पता चलेगा किसको क्या मिला

दिल्ली का विधानसभा चुनाव जीतना आम आदमी पार्टी के अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी हो गया है। 11 साल के अंदर आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बन गई है। कई राज्यों में चुनाव लड़ लिया है। वर्तमान में पंजाब और दिल्ली में सरकार है। जिस तरह से भाजपा ने इस बार आम आदमी पार्टी की घेराबंदी की है। ऐसी घेराबंदी पिछले दो चुनाव में भी भाजपा ने की थी। अरविंद केजरीवाल को उस समय कोई फर्क नहीं पड़ा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1492: स्पेन ने मूरो से ग्रेनाड छीन लिया. 1757: नवाब सिराजुद्दौला से राबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता छीन लिया. 1799: नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ सीरिया पहुंचा. 1899: रामकृष्ण मिशन के भिक्षुओं ने वैलूर मठ में रहना शुरू किया. 1900: अमरीका ने चीन के लिए खुली नीति की घोषणा की. 1905: रूस ने मंचूरियाई हरपोर्ट आर्थर जापानियों के हवाले कर दिया.1913: यूनान ने चियोस द्वीप स्थित तुर्की के शस्त्रागार पर कब्जा किया. 1932: मंचूरिया में मंचूकओ गणराज्य की स्थापना हुई थी. 1937: स्पेन की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु इंग्लैंड और इटली में समझौता. 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने फिलीपीस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया था. 1965: अयूब खान पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए.

दैनिक पंचांग

6 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

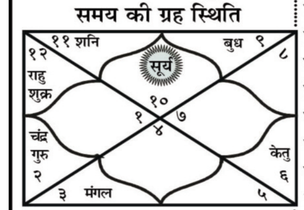

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.04 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	08.37 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	10.07 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.47 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	13.45 बजे से
शुक्र	मीन में	कर्क	15.59 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	18.15 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	20.27 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	22.38 बजे से
		वृश्चिक	00.52 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	03.08 बजे से
		मकर	05.13 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 37 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 22.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 19.30 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 18.42 बजे को समाप्त।
करण बालव 11.43 बजे तदनन्तर कौलव 22.54 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 36’
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872247
जूलियन दिन 2460712.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान
तारीख 07
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

06-02-2025_06-02-2025.qxd 2/5/2025 11:36 PM Page 7

फ्री में सीखने के लिए बेस्ट हो सकते हैं ये ऑनलाइन टीचिंग कोर्सेज

अगर आप स्नातक या परास्नातक डिग्री ले चुके हैं और शिक्षक बनना चाहते हैं, तो निःशुल्क ऑनलाइन टीचिंग कोर्स के लिए यहां से आइडिया ले सकते हैं। टीचर बनने की चाहत रखने वाले कैंडिडेट के लिए ये सबसे बढ़िया विकल्प साबित हो सकते हैं।

अपनी डिग्री के साथ-साथ अतिरिक्त स्किल प्राप्त करने से आपको अच्छी नौकरी पाने में मदद मिल सकती है। साथ ही, आप अपने ज्ञान से औरों को भी पढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। खास बात ये है किआप दुनिया के किसी भी कोने में रहकर इन ऑनलाइन कोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। इसके लिए आपको एक पूर्णता प्रमाणपत्र भी प्रदान की जाएगी। आपको बता दें कि ये पाठ्यक्रम बिल्कुल नि:शुल्क हैं। इसे आप ट्राई कर सकते हैं।

ऑनलाइन टीचिंग के बेहतरीन विकल्प अगर आप पहले से ही शिक्षक हैं या शिक्षक बनना चाहते हैं और इसके लिए अपने कौशल को बढ़ाना की चाहत रखते हैं, तो आप नीचे बताए गए कुछ नि:शुल्क ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रम का सहारा ले सकते हैं। नि:शुल्क वर्चुअल वेबिनार के साथ अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने के लिए खास ऑनलाइन सेशन है। इसमें लाइव उपस्थित रह कर कोर्स करने वाले कैंडिडेट को एक प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। 90 मिनट के सत्र वाली इस क्लास में आपको प्रबंधन और बेहतर छात्र मूल्यांकन के लिए अच्छी शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा, पढ़ने के लिए सिलेबस, नोट्स, बुलेटिन बोर्ड और शिक्षकों के लिए कई सुझाव मुफ्त में उपलब्ध होंगे। यहां से आपको अच्छा प्रशिक्षण मिल सकता है।

ओपन यूनिवर्सिटी, एक नि:शुल्क ऑनलाइन शिक्षा मंच है, जो शिक्षकों के लिए 4-20 घंटे का कोर्स प्रदान करता है। खास बात यह है कि यह पूरी तरह से नि:शुल्क नामांकन करता है। साथ ही, कोर्स पूरा होने के बाद एक डिजिटल प्रमाणपत्र भी दिया जाता है। इस कोर्स के जरिए भूगोल पढ़ाने जैसे विशेष विषयों से लेकर शैक्षिक नेतृत्व जैसे व्यापक कैरियर सेंट्रिक मुद्दों तक के लिए विभिन्न विकल्प दिए गए हैं।

MIT

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का ओपन कोर्सवेयर प्रोग्राम मुफ्त ऑनलाइन ग्रेजुएट कोर्स की सुविधा भी देता है। यह शिक्षकों और आजीवन शिक्षार्थियों को टॉप लेवल की विश्वविद्यालय शिक्षा का लाभ उठाने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। इसके तहत कोर्स पूरा करने के लिए स्टडी मटेरियल भी दिया जाता है, जिसे आप ब्राउज करके डाउनलोड कर सकते हैं। इसके माध्यम से वीडियो में एक्सप्लेनर भी देख सकते हैं। इसके अलावा, आप छात्रों के पहले से आरक्षित सामग्री से से भी जुड़ सकते हैं। इससे सीखने के लिए बहुत कुछ मिलता है। साथ ही, आपको टीचिंग के लिए अनुभव भी मिल सकता है।

edX

इंट्रिडक्शन से लेकर एडवांस लेवल तक के पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत सीरिज दी गई है, जिसमें आलोचनात्मक सोच और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है। हार्वर्ड और एमआईटी की संयुक्त पहल के रूप में, यह प्लेटफॉर्म दुनिया के दो सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से सामग्री प्रदान करता है। टीचिंग के लिए यह कोर्स वैसे तो बिल्कुल फ्री में उपलब्ध है, लेकिन प्रमाण पत्र लेने के लिए आपको कुछ शुल्क का भुगतान करना पड़ सकता है। खास बात यह है कि इस कोर्स के तहत सीखने वालों के लिए पाठ्यक्रमों की एक विशाल सूची दी गई है, जहां से आप आइडिया ले सकते हैं।

महीने में करना चाहते हैं लाखों की कमाई? तो इस तरह बनें एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर

आज के समय में हर फील्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होने लगा है और इसलिए एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप भी इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

बदलते दौर में हम सभी की निर्भरता टेक्नोलॉजी पर काफी ज्यादा बढ़ने लगी है। हर जगह हम किसी ना किसी रूप में एआई मसलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होते हुए देख रहे हैं। एआई ने हमें एक नई दुनिया दिखाई है, जहां पर आप लगभग सबकुछ करने का माद्दा रखते हैं। लेकिन इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बात करने का सिर्फ एक तरीका है प्रॉम्प्ट। आप जितना सही और सटीक प्रॉम्प्ट लिखते हैं, एआई से आप उतना ही बेहतर रिजल्ट पा सकते हैं और अपने सारे कामों को काफी आसान और टाइम सेविंग बना सकते हैं। शायद यही वजह है कि आज के समय में एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियरों की डिमांड काफी बढ़ने लगी है।

यह एक ऐसा करियर है, जिसकी डिमांड आने वाले समय में और भी ज्यादा बढ़ने लगेगी। आज के समय में भी एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर की सैलरी लाखों में होती है और कई बड़ी कंपनियां इन्हें हायर करना चाहती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप बतौर एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर अपने करियर की शुरुआत किस तरह कर सकते हैं-

एआई बेसिक्स को समझें

एक अच्छा प्रॉम्प्ट इंजीनियर बनने के लिए बेहद जरूरी है कि आप एआई को बेहतर तरीके से समझें। आप यह जानें कि यह कैसे काम करता है। हालांकि, इसके लिए आपको कोडिंग एक्सपर्ट होने की जरूरत नहीं है, लेकिन एआई के बारे में सीखना और यह कैसे भाषा को प्रोसेस करता है, यह जरूर जानना चाहिए। इसके लिए आप ऑनलाइन फ्री कोर्स का सहारा भी ले सकते हैं। आज के समय में ऐसी कई ऑनलाइन वेबसाइट हैं, जहां से इन कोर्स को किया जा सकता है।

अलग-अलग एआई मॉडल को समझें

एक प्राम्प्ट इंजीनियर के रूप में सफल करियर बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप अलग-अलग एआई मॉडल को जानें और अच्छी

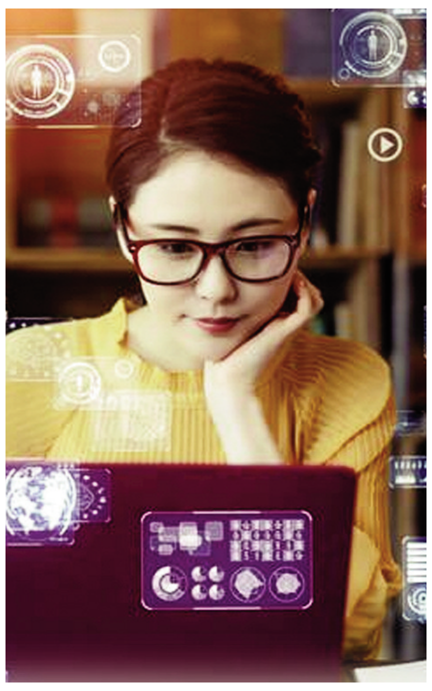

तरह समझें। आप ऐसे फ्री एआई प्लेटफॉर्म को एक्सप्लोर करें, जहां पर आप अलग-अलग मॉडल के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि अलग-अलग एआई सिस्टम किस तरह से काम करता है और प्राम्प्ट पर किस तरह से रिस्पॉन्स करता है। इससे आपको खुद को अधिक बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

प्रॉम्प्ट लिखने की करें प्रैक्टिस

एक सटीक प्रॉम्प्ट लिखने के लिए बहुत अधिक प्रैक्टिस की जरूरत होती है। इसलिए, आप शुरुआत में अलग-अलग टास्क जैसे राइटिंग या कोड जनरेशन जैसे अलग-अलग कामों के लिए खुद प्रॉम्प्ट लिखना शुरू करें। आपको हर बार यह ध्यान देना चाहिए कि क्या काम करता है और क्या नहीं। इस तरह हर बार प्रैक्टिस करने से आप और भी बेहतर प्रॉम्प्ट लिखना सीख जाएंगे। यहां पर आप यह भी याद रखें कि एआई मॉडल सिर्फ टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि और भी बहुत सी चीजें जनरेट कर सकता है, इसलिए आप आर्ट से लेकर कोडिंग यहां तक कि चैटबॉट को भी प्रॉम्प्ट के जरिए क्रिएट कर सकते हैं। एआई तब सबसे अच्छा काम करता है, जब उसे एकदम क्लीयर इंस्ट्रक्शन दिए जाते हैं।

रहें अपडेटेड

चूंकि एआई काफी तेजी से लगातार विकसित हो रहा है और उसमें तेजी से बदलाव हो रहा है, इसलिए उसमें हर दिन नए फ़ीचर या टूल आते रहते हैं। ऐसे में यह आप लगातार नए फीचर पर नजर बनाए रखें और उन्हें सीखते रहें।

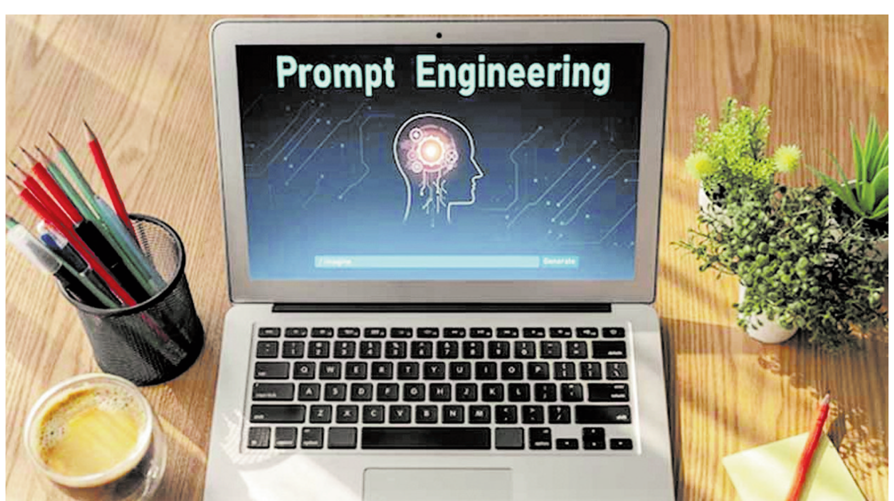

जर्मन सीखने के लिए बेस्ट हो सकते हैं ये 3 कोर्सेज, ऑनलाइन घर बैठे ही करें लैंग्वेज की पढ़ाई

जर्मन सीखना आज के समय में एक बेहतरीन स्किल हो सकती है। खासकर अगर आप विदेश में पढ़ाई, नौकरी या यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो यह आपके लिए अच्छा ऑप्शन है। इसके अलावा, आज के समय में कई भाषाओं का ज्ञान होना भी जरूरी है। अन्य भाषा को पढ़ना, लिखना और बोलना सीखना आपके कम्युनिकेशन स्किल को बढ़ाता है। साथ ही, यह उच्च वेतन वाली नौकरियों के द्वार भी खोलता है।

जर्मन सीखने के लिए ऑफलाइन क्लास से लेकर ऑनलाइन कक्षाओं तक, लोगों को सीखने के कई अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस आर्टिकल में जर्मन भाषा सीखने के लिए तीन बेहतरीन ऑनलाइन कोर्सेज के बारे में बताया गया है, जिसे घर बैठे-बैठे ही जॉइन कर सकती हैं। चलिए इन कोर्स के बारे में आगे विस्तार से जानते हैं। जर्मन सीखने के लिए बेस्ट हैं ये 3 ऑनलाइन कोर्सेज -

व्यक्तिगत शिक्षा के लिए बेस्ट है प्रीप्ली

प्रीप्ली के निजी ट्यूटर्स से आप ऑनलाइन माध्यम से जर्मन सीख सकती हैं। इसके लिए आपको अपने आदर्श ट्यूटर खोजने के लिए कुछ डिटेल्स भरनी होगी। इसमें कीमत, उपलब्धता भरने के बाद मूल स्थान के आधार पर फिल्टर करें। इसके बाद, एक परीक्षण पाठ का आनंद ले सकती हैं। आगे सीखने के लिए आप चाहें तो इसकी सदस्यता ले सकती हैं। प्रीप्ली के मूल-भाषी ट्यूटर आपकी जरूरतों के हिसाब से पाठ तैयार करते हैं। इससे आपके समय बचत होती है और नए कौशल पर ध्यान केंद्रित होता है। सत्रों के बीच शब्दावली का अभ्यास कराया जाएगा।

शुरुआती दौर में सीखने के लिए बेहतरीन है जर्मन प्रोजेक्ट

जर्मन प्रोजेक्ट वेबसाइट पर आप जर्मन की मूल चीजें सीख सकती हैं। लैंग्वेज सीखने का यह एक मजेदार और इंटरैक्टिव तरीका हो सकता है। इसमें क्रिएटर जेन्स व्याकरण, शब्दावली और बातचीत जैसे आवश्यक कौशल सिखाने के लिए आकर्षक चित्रण और ऑडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग करते हैं। इतना ही नहीं, इसके जरिए, कैंडिडेट को जर्मन ध्वनियों, संख्याओं, सामान्य अभिव्यक्तियों और बहुत कुछ को कवर किया जा सकता है। जर्मन सीखने के शुरुआती दौर में यह कोर्स आपके लिए काम का हो सकता है। इसके अलावा आप इस वेबसाइट से जर्मन ऑडियो व टेक्स्ट में चिकन लिटिल, गोल्डीलॉक्स और लिटिल रेड राइडिंग हूड जैसी क्लासिक परी कथाओं का आनंद ले सकती हैं।

जर्मनपॉड101 से भी सीख सकती हैं जर्मन

जर्मनपॉड101 हमें जर्मन वार्तालापों को दर्शाने वाले कई छोटे-छोटे ऑडियो और वीडियो पाठ प्रदान करता है, जो बेहद इंटरैक्टिव होता है। इसमें शब्दावली अभ्यास के लिए भी कुछ टेस्ट मौजूद है। जानकारी के लिए बता दें कि उनके YouTube चैनल में भाषा और संस्कृति पर सैकड़ों फ्री वीडियोज पड़े हैं, जिन्हें कौशल स्तर और विषय के अनुसार अलग वर्गीकृत किया गया है। इसके जरिए आप जर्मन उच्चारण सीखने के साथ-साथ सामयिक शब्दावली और 24/7 लाइव स्ट्रीम का लाभ भी उठा सकती हैं। प्रीमियम उपयोगकर्ता बोलने का अभ्यास करते हैं। साथ ही, उनके लिए वॉयस रिकॉर्डर सहित अतिरिक्त टूल भी दिए गए हैं।

बिना डिग्री भी मिल सकती है नौकरी, बस डेवलप करें ये स्किल

करियर ग्रोथ के लिए हम सभी अलग-अलग फील्ड से जुड़े विषयों में पढ़ाई करते हैं। लेकिन बता दें, कि आप कम एजूकेशन में भी बेहतर नौकरी पा सकती हैं। इसके लिए आपको अपनी स्किल पर काम करना होगा। टेक्नोलॉजी के बढते दौर में जहां नौकरी के तमाम अवसर प्राप्त हो रहे हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि जिसके पास जितनी अच्छी एजूकेशन और स्किल उतनी अच्छी नौकरी। बेहतर करियर ग्रोथ के लिए आज के युवा अपने पढ़ाई के क्षेत्र को बढ़ाने के साथ ही नए स्कोप वाले फील्ड से जुड़े कोर्स कर रहे हैं। लेकिन बता दें, करियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि आपके पास कोई बड़ी डिग्री हो। दुनिया में कई ऐसी नौकरियां हैं, जिसके लिए आपकी स्किल मैटर करती हैं। इस लेख में आज हम आपको उन नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप स्किल के आधार पर पा सकते हैं।

केबिन क्रू

अगर आपकी कम्युनिकेशन और लैग्वेंज स्किल अच्छी है, तो आप केबिन क्रू की नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। एक केबिन क्रू सदस्य की शुरुआती सैलरी आमतौर पर 30,000 से 40,000 रुपये प्रति माह होती है। जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता है, आपकी सैलरी में भी इजाफा होता रहता है। सैलरी के अलावा, कई एयरलाइंस केबिन क्रू सदस्यों को मुफ्त यात्रा, मेडिकल सुविधाएं, और आवास जैसी सुविधा मुहैया कराई जाती है।

रियल स्टेट एजेंट

रियल एस्टेट एजेंट कमीशन पर काम करते हैं। यानी, वे संपत्ति बेचने या खरीदने पर होने वाले सौदे की एक निश्चित प्रतिशत राशि कमाते हैं। रियल एस्टेट एजेंट की आय उसकी बिक्री, अनुभव, और बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है। शुरुआती दौर में आय कम हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ यह काफी बढ़ सकती है। कुछ कंपनियां रियल एस्टेट एजेंटों को अतिरिक्त लाभ भी प्रदान करती हैं, जैसे कि कार, फोन, और मार्केटिंग टूल। अगर आप मार्केटिंग से जुड़ी चीजों की जानकारी रखते हैं, तो इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में बनाएं करियर

डिजिटल मार्केटिंग आज के समय में एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। अगर आपको ऑनलाइन मार्केटिंग, सोशल मीडिया और डेटा एनालिटिक्स में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। डिजिटल मार्केटर की शुरुआती सैलरी आमतौर पर 20,000 से 35,000 रुपये प्रति माह होती है। डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए किसी प्रकार की डिग्री की जरूरत नहीं है।

कमर्शियल पायलट में बनाएं करियर

एक कमर्शियल पायलट की शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 से 80,000 रुपये प्रति माह हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना अनिवार्य है। उड़ान के दौरान कई तरह की गणनाएं करनी होती हैं, इसलिए गणितीय क्षमता का होना जरूरी है।

06-02-2025_06-02-2025.qxd 2/5/2025 11:36 PM Page 8

रतन टाटा के 15,000 करोड़ किसे मिलेंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा चले गए लेकिन उनके नेक कामों की यादें और उनके बनाए गए संस्थान हमेशा रहेंगे। लेकिन उनकी बनाई हुई संस्था रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन को लेकर थोड़ी उलझन है। यह फाउंडेशन उनके निजी पैसों से चलाया जाएगा, जिससे समाज सेवा के काम होंगे। लेकिन आरटीईएफ के ट्रस्टी कौन चुनेगा, यह साफ नहीं है। दिवंगत रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस बारे में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिया है। टाटा ग्रुप से जुड़े लोग इसके लिए किसी निष्पक्ष व्यक्ति से मदद ले सकते हैं। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के किसी रिटायर्ड चीफ जस्टिस को इस मामले में आर्बिट्रेटर बनाया जा सकता है। वही तय करेगा कि ट्रस्टी चुनने का अधिकार टाटा की वसीयत को लागू करवाने लोगों, टाटा फैमिली या टाटा ट्रस्ट के सदस्यों में से किसके पास है।

रतन टाटा ने समाज सेवा के लिए साल 2022 में दो संस्थाएं बनाई थीं जिन्हें उनकी पर्सनल वेल्थ से चलाया जाएगा। इनमें आरटीईएफ और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट शामिल हैं। इनमें से आरटीईएफ कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत बनाई गई थी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में रतन टाटा की 0.83 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार रतन टाटा की कुल नेटवर्थ लगभग 7,900 करोड़ रुपये थी। आरटीईएफ के पास टाटा डिजिटल और टाटा टेक्नोलॉजीज में भी थोड़ी हिस्सेदारी है।

15,000 करोड़ की नेटवर्थ– सूत्रों के मुताबिक रतन टाटा की नेटवर्थ 15,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा थी। टाटा ग्रुप के अधिकारियों के मुताबिक टाटा चाहते थे कि आरटीईएफ, टाटा ट्रस्ट से अलग रहे। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस का 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रतन टाटा अपनी ज्यादातर वेल्थ समाज सेवा में लगाना चाहते थे। माना जा रहा है कि उनकी ज्यादातर संपत्ति को आरटीईएफ मैनेज करेगा जबकि बाकी ट्रस्ट देखेगा। रतन टाटा के पास कई कारें थीं, जिनमें फेरारी और मसेराती भी शामिल हैं। इन कारों की नीलामी हो सकती है और इससे मिलने वाला पैसा आरटीईएफ को जाएगा।

टाटा ने आर.आर. शास्त्री और बुर्जिस तारापोरवाला को आरटीईएफ के होल्डिंग ट्रस्टी बनाया था। जमशेद पोंचा को सीईओ नियुक्त किया था। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को मैनेजिंग ट्रस्टी बनाने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि आरटीईएफ के ट्रस्टी कौन नियुक्त करेगा। टाटा ने अपनी वसीयत के एग्जीक्यूटर्स के रूप में डेरियस खंबाटा, मेहली मिस्त्री, शिरीन और डायना जेजीभॉय को चुना था। सूत्रों का कहना है कि खंबाटा एक वरिष्ठ वकील हैं लेकिन साथ ही वह रतन टाटा की वसीयत के एग्जीक्यूटर भी हैं। इसलिए स्टेकहोल्डर्स किसी और सीनियर लीगल एक्सपर्ट से सलाह लेना चाहेंगे। जेजीभॉय बहनें रतन टाटा की सौतेली बहनें हैं। रतन टाटा के करीब मिस्त्री सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड ट्रस्टी हैं।

क्या कहते हैं जानकार

इस बारे में वसीयत के चारों एग्जीक्यूटर्स ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वसीयत की कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाने पर आरटीईएफ को टाटा संस और ग्रुप की कंपनियों में रतन टाटा की हिस्सेदारी से काफी पैसा मिलेगा। रतन टाटा का 86 साल की उम्र में अक्टूबर 2024 में निधन हो गया था। रतन टाटा चाहते थे कि आरटीईएफ समाज सेवा के नए और जरूरी क्षेत्रों पर ध्यान दे। आधुनिक भारत के लिए जरूरी तकनीकों पर शोध को बढ़ावा दे और ऐसे काम करे जिससे समाज का भला हो। फिलहाल, आरटीईएफ एक बोर्ड द्वारा संचालित संस्था है और अपने उद्देश्यों के अनुसार काम करती है।

लिटिल एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर, अजय खतलावाला ने कहा कि आम तौर पर अगर वसीयत में संपत्ति के प्रबंधन के बारे में कोई खास निर्देश नहीं हैं, तो एग्जीक्यूटर्स की जिम्मेदारी होती है कि वो दिवंगत व्यक्ति की इच्छा के अनुसार काम करें। खतलावाला ने कहा कि आरटीईएफ कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत स्थापित कंपनी है। इसलिए, यह अपने मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन, आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन और कंपनीज एक्ट के प्रावधानों के अनुसार चलेगी। आरटीईएफ के ट्रस्टी या डायरेक्टर की नियुक्ति का मामला इसके आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में दिए गए प्रावधानों के अनुसार तय होगा। यह मामला भारत में लीगेसी फाउंडेशन के संचालन के लिए एक मिसाल बन सकता है।

जेएंडके बैंक को मिला 16000 करोड़ का जीएसटी नोटिस, संकट में बैंक के शेयर

नईदिल्ली एजेंसी। शेयर बाजार में हलचल देखने को मिली जब एक अहम खबर के बाद जेएंडके बैंक के शेयर में भारी गिरावट दर्ज की गई। बैंक का शेयर 103.35 रुपए के पिछले बंद भाव के मुकाबले 103.75 रुपए पर खुला था

लेकिन सुबह 11 बजे आई एक बड़ी खबर ने शेयर को झटका दे दिया। खबर के बाद शेयर 4 फीसदी तक टूट गया और 100 रुपए के नीचे आ गया।

जेएंडके बैंक को 16,322 करोड़ का जीएसटी नोटिस– जम्मू और कश्मीर बैंक को बड़ा झटका लगा है। एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, बैंक को जम्मू के जीएसटी कमिश्नर की ओर से लगभग 8,161 करोड़ रुपए के जीएसटी टैक्स डिमांड और इतनी ही राशि का जुर्माना लगाया गया है, जिससे कुल मांग 16,322 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। यह रकम बैंक की मौजूदा मार्केट कैप (11,210 करोड़) से भी अधिक है। इससे पहले भी जेएंडके बैंक पर नियामक कार्रवाई हो चुकी है। बीते हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक ने केवाईसी नियमों के उल्लंघन को लेकर बैंक पर 3.31 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इस नोटिस की खबर के बाद बैंक के शेयर पर दबाव बना और इसमें तेज गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला बैंक के वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों की धारणा पर बड़ा असर डाल सकता है।

एटीएम से कैश निकालने वालों को लगने वाला है झटका

नईदिल्ली एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए एक बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। अगर आप भी अक्सर एटीएम से कैश निकालते हैं या कैश पेमेंट का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए अहम है। जल्द ही एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त

निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आइए जानते हैं इस बदलाव से जुड़ी पूरी जानकारी रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब RBI इन 5 लेनदेन की लिमिट से अधिक पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को इस बात की जानकारी दी गई है।

कितना बढ़ेगा चार्ज– रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की है।

मिगसन ग्रुप में फ्लैट बुक के बाद हिडन चार्ज में हुई जीएसटी चोरी, हार्ड डिस्क उगलेगी राज

गाजियाबाद , एजेंसी। मिगसन ग्रुप पर जीएसटी की एसआईबी टीम द्वारा छापेमारी से अन्य बिल्डरों में भी हडक़ंप मचा हुआ है। जीएसटी की एसआईबी के रडार पर करीब 15 बड़े बिल्डर हैं। इन सभी बड़े बिल्डरों के खिलाफ ग्राहकों ने रेरा से लेकर शासन तक शिकायत दर्ज कराई हुई है। जीएसटी के विभागीय सूत्रों की मानें तो मिगसन ग्रुप पर छापेमारी तो एक शुरूआत भर है, अभी कई बड़े बिल्डर एसआईबी के निशाने पर हैं। आने वाले दिनों में इन बड़े बिल्डरों के यहां भी जीएसटी की एसआईबी द्वारा छापेमारी की तैयारी है। वहीं, मिगसन ग्रुप पर की गई छापेमारी के दौरान एसआईबी लैपटॉप, हार्डडिस्क और कुछ अहम दस्तावेज लेकर गई थी। माना जा रहा है कि लैपटॉप और हार्डडिस्क से मिगसन ग्रुप के घल्लूघारे के कई राज उजागर हो सकते हैं।

विभागीय सूत्रों की मानें तो फ्लैट बुक के बाद बायर्स से लाखों रुपए हिडन चार्ज के रूप में वसूलने की शिकायत पर राज्यकर विभाग एसजीएसटी की विशेष जांच शाखा एसआईबी की टीम ने मिगसन ग्रुप की 15 फर्मों की 41 ब्रांचों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान छापेमारी टीम ने कंप्यूटर हार्डडिस्क, लैपटॉप और जरूरी कागजात अपने कब्जे में लिए हैं। आरोप है कि बिल्डर ने फ्लैट बुक कराने के बाद कई हिडन चार्ज के रूप में मेंटिनेंस, पार्किंग और विद्युत मीटर पर लोड बढ़ाने के नाम पर लाखों रुपए वसूले थे, लेकिन बिल्डर द्वारा हिडन चार्ज के नाम पर वसूली गई रकम पर किसी प्रकार की जीएसटी जमा नहीं कराई गई। इस मामले की शिकायत ग्राहकों ने रेरा और शासन से की थी। जिसके बाद राज्य कर विभाग के एसटीएफ को जांच सौंपी गई। जांच मिलने पर विभाग की टीमों ने गाजियाबाद, नोएडा और लखनऊ में एक साथ छापेमारी की थी।

बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी का पता चला

मिगसन ग्रुप की ब्रांचों पर करीब 12-घंटे की गहन छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं ने जीएसटी चोरी के 10 करोड़ रुपए से अधिक का मामला पाया। जीएसटी चोरी का मामला उजागर होने के बाद एसबीआई टीम ने बिल्डर कंप्यूटर की हार्डडिस्क, अहम दस्तावेज, लैपटॉप और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त कर लिए। छापेमारी के जवाब में, मिगसन समूह को अपनी विभिन्न शाखाओं में 10 करोड़ रुपए जमा कराने पड़े। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब्त किए दस्तावेजों की विस्तृत समीक्षा के बाद ऑडिट कार्यवाही और समन जारी किए जाएंगे।

350 से अधिक फ्लैट अवैध

मिगसन कियाना में 350 से अधिक फ्लैट हैं। इसके अलावा नीचे फ्लोर पर दुकानें हैं। मिगसन कियाना को कई बार शेष धनराशि को जमा करने के लिए नोटिस जारी हो चुका है। लेकिन मिगसन ने प्रक्रियाएं पूरी नहीं की है। कुछ आवंटी ऐसे हैं जो बगैर रजिस्ट्री फ्लैटों में रहने लगे हैं। रजिस्ट्री नहीं होने पर उन्होंने आवास विकास के कार्यालय से लेकर यूपी आवास विकास के जनसुनवाई पोर्टल तक में शिकायत की है।

बिल्डरों ने दिखाया ठेंगा

बिल्डरों की धोखाधड़ी को रोकने के लिए गठित रियल स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (यूपी रेरा) के आदेशों को बिल्डर नहीं मान रहे हैं। बिल्डरों की धोखेबाजी की लिस्ट में मिगसन ग्रुप का भी नाम है। मिगसन ग्रुप के एक प्रोजेक्ट में वर्ष-2016 में फ्लैट बुक कराने वाले बॉयर्स को 9 साल बाद भी फ्लैट नहीं मिला है। मिगसन बिल्डर की धोखाधड़ी के शिकार बॉयर्स बिल्डर के खिलाफ गाजियाबाद और नोएडा मुकदमे भी दर्ज करा चुके हैं।

नारियल के छिलके से करोड़ों की कमाई करता है शख्स, तरीका जानकर हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या कोई नारियल के छिलके का चूरा बेचकर करोड़ों रुपये की कमाई कर सकता है? हां, ऐसा कर दिखाया है अनीस अहमद ने। अनीस बायोटेक्नोलॉजी में ग्रेजुएट हैं। वह ग्लोबल ग्रीन नाम से स्टार्टअप के फाउंडर हैं। उनका यह स्टार्टअप चेन्नई में है। उनके स्टार्टअप ने संदेश दिया है कि कोई भी चीज खराब नहीं होती। बशर्ते उसका सही इस्तेमाल किया जाए तब। हम नारियल के जिन छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं, अनीस के स्टार्टअप ने उन्हीं छिलकों से करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर दिया है।

साल 2014 में शुरू किया स्टार्टअप– अनीस की लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक उन्होंने अपना स्टार्टअप साल 2014 में शुरू किया था। उनका यह स्टार्टअप नारियल के छिलके से कोकोपीट तैयार करता है। इस कोकोपीट का इस्तेमाल कॉयर पॉट, ईंट, ब्लॉक और ग्रो बैग बनाने में किया जाता है। यह मिट्टी का ही विकल्प है। इस कोकोपीट की विदेशों में काफी मांग है। नारियल के छिलकों से बना कोकोपीट पर्यावरण के अनुकूल रहता है। साथ ही अगर इसमें पौधा लगाया जाए तो उसकी ग्रोथ भी तेजी से होती है। इसे मिट्टी में मिलाया जाए तो यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है।

कितनी होती है कमाई?

अनीस का स्टार्टअप इस कोकोपीट को बेचकर सालाना 75 करोड़ रुपये की कमाई करता है। ये इस कोकोपीट को कई देशों में बेचते हैं। सबसे ज्यादा बिक्री यूरोप में होती है, क्योंकि वहां मिट्टी की उर्वरता काफी कम होती है।

ऐसे करते हैं तैयार

अनीस ने बताया कि उनकी कंपनी कोकोपीट में पोषक तत्व मिलाकर कस्टमाइज प्रोडक्ट भी तैयार करती है। कंपनी कोकोपीट तैयार करते समय उसमें मौजूद कई अशुद्धियों को दूर करती है। इसके लिए पहले इसे पानी में धोया जाता है। सारी अशुद्धियों को हटाने के बाद इसका चूरा बनाया जाता है। फिर चूरे से ब्लॉक, डिस्क और ग्रो बैग तैयार किया जाते हैं और इन्हें बेच दिया जाता है।

कैसे हुई शुरुआत?

अनीस को बचपन से ही प्रकृति और बागवानी का शौक था। वह अपने घर के पास के बगीचे में सब्जियां और फल उगाते थे। अनीस जहां रहते हैं, वहां नारियल की खेती काफी होती है। उनके पिता नारियल के कारोबार में थे। पिता के साथ उन्होंने भी नारियल की खेती के बारे में जानकारी ली। पढ़ाई के दौरान उन्होंने कोकोपीट के बारे में स्टडी की। इस दौरान उन्होंने पाया कि कई देश मिट्टी में पोषक तत्वों को बनाए रखने के लिए पीट मॉस का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसमें कई खामियां भी थीं। इससे मीथेन गैस निकलती है जो पर्यावरण के लिए घातक है।

संजय मल्होत्रा पहली बार करेंगे एमपीसी बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार 5 फरवरी से शुरू होगी। केंद्रीय बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा पहली बार बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में ब्याज दरों पर लिए गए फैसलों का एलान आरबीआई गवर्नर 07 फरवरी 2025 (शुक्रवार) को करेंगे। जानकारों के अनुसार, बाजार ब्याज दरों में संभावित कटौती का बेसब्री से इंतजार कर कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में 25 आधार अंकों की कटौती का अनुमान लगाया गया है। अगर ऐसा होता है, तो बेंचमार्क उधारी दर यानी रेपो रेट मौजूदा 6.5 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत हो जाएगी। नए गवर्नर संजय मल्होत्रा दिसंबर 2024 में पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल समाप्त होने के बाद पहली बार एमपीसी की बैठक में शामिल होंगे। एमपीसी की पिछली बैठक यानी दिसंबर 2024 में, नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 50 आधार अंकों की कटौती का फैसला लिया गया था

जानकारों को मौद्रिक नीति समिति से राहत की उम्मीद– बजट के बाद अब सब की निगाहें 7 फरवरी 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक की ब्याज दरों के लेकर होने वाली घोषणाओं पर है। बैंकों, विशेषज्ञों तथा अर्थशास्त्रियों ने उम्मीद की है कि रिजर्व बैंक इस बार ब्याज दरों में कुछ राहत दे सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)के नए गवर्नर संजय मल्होत्राा की अध्यक्षता में होने वाली 5 से 7 फरवरी तक होने वाली नई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि आगामी एमपीसी में रेपो दर में कटौती या आरबीआई द्वारा निर्धारित बेंचमार्क उधार दर को 6.5 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत तक 25 आधार अंकों (बीपीएस) तक कम किया जा सकता है। एमपीसी 7 फरवरी को रेपो दर पर अपने फैसले की घोषणा करेगी।

25 आधार अंकों की हो सकती है कटौती- एसबीआई रिसर्च– स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रिसर्च नोट के अनुसार फरवरी 2025 की नीति में 25 आधार अंकों की दर कटौती की उम्मीद की जा सकती है। इस चक्र के दौरान संचयी दर कटौती कम से कम 75 आधार अंक हो सकती है। फरवरी और अप्रैल 2025 के बाद दूसरा रेट कट अक्टूबर 2025 में शुरू हो सकता है। नोट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक को लिक्विडिटी फ्रेमवर्क पर दोबारा से विचार करने की आवश्यकता है, मौद्रिक राजकोषीय समन्वय पर ध्यान देने की जरूरत है।

रेपो रेट में कटौती का फैसला टल सकता है अप्रैल या जून तक- इक्रा– इक्रा ने अपने नोट में कहा है कि पिछले एमपीसी बैठक के बाद से आनेवाले डेटा से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही निराशाजनक रही है। वहीं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अपेक्षा से कम रहने की वजह से वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में विकास के परिणाम बेहतर होने की संभावना है। खरीफ उत्पादन में अच्छा उत्पादन और रबी की बुआई के लिए अनुकूल रुझान मजबूत कृषि वर्ष की और संकेत देते हैं।

भारत ब्रिक्स करेंसी का समर्थन नहीं करेगा, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का दो टूक बयान

नईदिल्ली एजेंसी। आईटी-बीटी राउंड टेबल 2025 में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिक्स करेंसी को लेकर भारत के रुख को साफ-साफ जाहिर किया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ब्रिक्स करेंसी के किसी भी प्रस्ताव का समर्थन नहीं करता है। पीयूष गोयल ने यह

भी स्पष्ट किया कि भारत का चीन जैसी अर्थव्यवस्था के साथ कोई साझा करेंसी अपनाने का इरादा नहीं है। उनके अनुसार, ब्रिक्स करेंसी पर विचार करना ही असंभव है।

भारत की रणनीति: सोच-समझकर बढ़ते कदम– भारत का यह रुख उसकी व्यापक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है। एक तरफ भारत अमेरिका के साथ अपने मजबूत आर्थिक संबंधों को बनाए रख रहा है, वहीं दूसरी ओर ब्रिक्स में शामिल देशों के साथ भी संतुलन साध रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी पहले कहा था कि अमेरिकी डॉलर को बदलने से भारत को कोई बड़ा फायदा नहीं दिखता, हालांकि उन्होंने रूस जैसे देशों के साथ लोकल करेंसी में व्यापारिक सेटलमेंट को समर्थन देने की बात कही थी।

ब्रिक्स में बढ़ रहा आसियान का प्रभाव

जनवरी 2025 में इंडोनेशिया को दसवें सदस्य के रूप में ब्रिक्स में शामिल किया गया, जबकि नाइजीरिया को साझेदार देश का दर्जा दिया गया। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के इस ब्लॉक में अब मलेशिया, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देश भी शामिल होने की इच्छा जता चुके हैं। यह ब्रिक्स में आसियान देशों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

जहां रूस और चीन ब्रिक्स करेंसी को आगे बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं, वहीं भारत और ब्राजील इसके आर्थिक जोखिमों को लेकर सतर्क हैं। दोनों देशों को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से दूरी बनाने के संभावित नतीजों की चिंता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा था, अगर ब्रिक्स देश नई करेंसी लॉन्च करते हैं या किसी वैकल्पिक करेंसी का समर्थन करते हैं, तो उन पर 100त्न टैरिफ लगाया जाएगा।

सोना लगातार पांचवें दिन तेजी के साथ नए शिखर पर पहुंचा, चांदी में आई 500 रुपये की नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और यह 500 रुपये की तेजी के साथ 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 85,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इस साल सोना 6,410 रुपये या 8.07 प्रतिशत बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी लगातार पांचवें सत्र में तेजी रही और यह 500 रुपए की तेजी के साथ 85,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, चांदी की कीमतों में पांच दिन की तेजी का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत 500 रुपए की गिरावट के साथ 95,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि सोमवार को चांदी की कीमत 96,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

वायदा कारोबार में एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने का भाव 208 रुपये अथवा 0.25 प्रतिशत घटकर 83,075 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी एवं करेंसी) जतीन त्रिवेदी ने कहा, सोने की सकारात्मक तेजी पर थोड़ा विराम लगा और एमसीएक्स पर सोना 200 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 83,000 रुपये के करीब पहुंच गया। यह कमजोरी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के बीच टैरिफ चर्चाओं के जोर पकड़ने के कारण आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मार्च डिलीवरी चांदी वायदा भी 35 रुपये फिसलकर 94,222 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। कॉमेक्स सोना वायदा अप्रैल डिलीवरी के लिए 17 डॉलर प्रति औंस या 0.60 प्रतिशत गिरकर 2,840.10 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। सोमवार को पीली धातु का वायदा भाव 2,872 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया था। अबांस होल्डिंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिंतन मेहता के अनुसार, वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच सोमवार को सोना रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, जिससे निवेशक उच्च प्रीमियम पर सुरक्षित धातु की ओर आकर्षित हुए।

जानकारों के अनुसार, भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है, क्योंकि ट्रम्प कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ को सख्त सीमा प्रवर्तन पर वार्ता के बाद एक महीने के लिए रोक दिया गया है। मेहता ने कहा, इस बीच, चीन के केंद्रीय बैंक ने दिसंबर में लगातार दूसरे महीने अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि की है, क्योंकि दुनिया भर के केंद्रीय बैंक आर्थिक अस्थिरता के खिलाफ बचाव जारी रखे हुए हैं। एशियाई बाजार में कॉमेक्स चांदी वायदा 0.71 प्रतिशत घटकर 32.20 डॉलर प्रति औंस रह गया।

निवेशक अमेरिकी मैक्रोइकॉनोमिक डेटा पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जैसे कि JOLTS (जॉब ओपनिंग और लेबर टर्नओवर सर्वे) नंबर और फैक्ट्री ऑर्डर डेटा मंगलवार को जारी किए जाएंगे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

खेल

बक्सर, 06 फरवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

टेनिस

15 साल की माया मुंबई ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

मुंबई, एजेंसी। भारत की उभरती हुई टेनिस खिलाड़ी 15 वर्षीय माया राजेश्वरन रेवती ने मंगलवार को एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेलारूस की इरिना श्यामनोविच को सीधे सेटों में हराकर अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की की। माया ने शानदार परिपक्वता दिखाते हुए अपने से अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। वाइल्ड कार्ड धारक भारतीय खिलाड़ी अंकिता रैना ने हमवतन वैष्णवी अडकर पर दबदबा बनाते हुए 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की एलेना प्रिडांकिना को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराया। स्लोवाकिया की तीसरी वरीयता प्राप्त अन्ना कैरोलिना श्मीडलोवा ऑस्ट्रेलिया की टीना स्मिथ की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रही। श्मीडलोवा ने पहला सेट गंवाने के बाद 6-7, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। जापान की माई होनटामा ने छठी वरीयता प्राप्त हमवतन नाओ हिबिनो को कड़े मुकाबले में 7-6, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

दो ग्रैंडस्लैम जीतने वाली खूबसूरत एथलीट ने टेनिस को कहा अलविदा

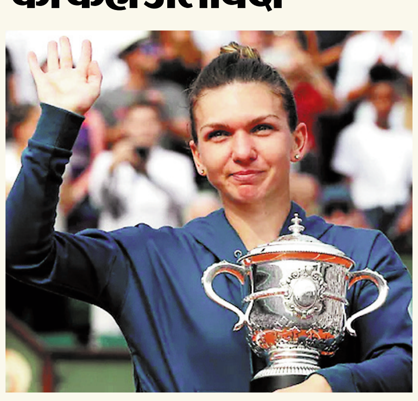

बुखारेस्ट (रोमानिया), एजेंसी। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने मंगलवार को अपने गृह देश रोमानिया में एक टूर्नामेंट के पहले दौर में हार के बाद 33 साल की उम्र में टेनिस से संन्यास की घोषणा की। हालेप ने रोमानिया के क्लुज में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में लूसिया ब्रॉन्ज़ेटी से 6-1, 6-1 की हार के बाद इसका एलान किया। उन्होंने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, मैं नहीं जानती कि मैं दुख के साथ या खुशी के साथ यह घोषणा कर रही हूं। मुझे लगता है कि मैं दोनों को महसूस कर रही हूं लेकिन इस फैसले से मुझे शांति मिली है। मैं हमेशा यथार्थवादी रही हूं। हालेप ने कहा, मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा। भले ही मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन मैं आपके सामने खेलकर टेनिस को अलविदा कहना चाहती थी।हालेप 2017 में पहली बार विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची थी लेकिन अभी वह 870वें स्थान पर हैं। उन्हें रोमानिया में इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। अपने करियर में चोटों से जूझने और डोपिंग के कारण निलंबन झेलने वाली हालेप एक समय महिला टेनिस में शीर्ष पर थीं। उन्होंने 2019 में विंबलडन में फाइनल में सेरेना विलियम्स को और 2018 में फ्रेंच ओपन में स्लोएन स्टीफंस को फाइनल में हराकर ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते थे। इसके अलावा वह 2018 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में और 2015 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग नंबर एक की रही है, जो उन्होंने अक्तूबर 2017 में हासिल की थी।

चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड को एकतरफा अंदाज में टी-20 सीरीज हराने के बाद टीम इंडिया अब 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए भारत के पास यही आखिरी मौका है। इसी में भारत को अपनी प्लेइंग-11 फाइनल करनी है और टूर्नामेंट के लिए स्ट्रैटजी भी बनानी है।

टीम इंडिया को टूर्नामेंट से पहले कई सवालों के जवाब ढूंढने हैं। जैसे कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का फॉर्म लौटेगा या नहीं? जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की फिटनेस भी चिंता की बात है। अगर दोनों कम्प्लीट रिदम में बॉलिंग नहीं कर पाए तो उनकी कमी कौन पूरी करेगा?

टीम इंडिया के सीनियर बैटर विराट

कोहली और कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद से कोहली एक ही सेंचुरी लगा सके, वहीं रोहित एक भी शतक नहीं लगा पाए। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ 3 वनडे में जरूर फिफ्टी लगाई, लेकिन दोनों ही प्लेयर्स टेस्ट फॉर्मेट में फ्लॉप रहे।

आईसीसी के बड़े वनडे टूर्नामेंट से पहले दोनों सीनियर प्लेयर्स का आउट ऑफ फॉर्म होना चिंता की बात है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी दोनों ज्यादा रन नहीं बना सके थे, वहीं रणजी ट्रॉफी में भी दोनों बैट से फ्लॉप ही रहे। ऐसे में इंग्लैंड से वनडे सीरीज दोनों सीनियर बैटर्स के लिए बड़े टूर्नामेंट के लिए फॉर्म पाने का आखिरी मौका है।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत का बॉलिंग अटैक लीड करने वाले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं। शमी ने 14 महीने बाद वापसी की और इंग्लैंड के खिलाफ 2 टी-20 खेले। हालांकि, वे रिदम में नजर नहीं आए। उन्होंने 3 विकेट जरूर लिए, लेकिन इंग्लिश बैटर्स को उन्हें खेलने में कोई परेशानी नहीं आई। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट खेलते हुए चोटिल हो गए थे। जिससे रिकवर करने में उन्हें अभी समय लगेगा, जिस कारण वे शुरुआती 2 वनडे भी नहीं खेल सकेंगे। बुमराह इससे पहले भी करीब 15 महीनों तक इंजरी से रिकवरी कर चुके हैं। बुमराह अगर टूर्नामेंट से पहले फिट नहीं हो सके तो भारत का बॉलिंग अटैक कमजोर हो जाएगा।

40 से सीधे दूसरे स्थान पर, अभिषेक ने रैंकिंग में लगाई लम्बी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी नई पुरुष आईसीसी टी-20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में 38 पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। इससे पहले वह 40वें स्थान पर थे। भारत के दो बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सफेद गेंद के खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में घरेलू श्रृंखला के दौरान मजबूत प्रदर्शन के लिए आईसीसी टी-20 खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाकर पुरस्कृत किया गया है।

अभिषेक ने मुंबई में श्रृंखला के पांचवें और अंतिम मैच में 135 रनों की तेज पारी खेलकर अपने नई अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाज ञ्20द्ब रैंकिंग में 38 पायदान ऊपर चढ़ गए। अभिषेक की पारी सिर्फ 54 गेंदों पर पूरी हुई और यह सबसे छोटे प्रारूप में किसी भारतीय पुरुष खिलाड़ी द्वारा खेली गई सर्वोच्च व्यक्तिगत पारी थी। परिणामस्वरूप अनुसार 24 वर्षीय बल्लेबाज नई रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 55.80 की औसत और 219.68 की स्ट्राइक रेट से 279 रन बनाकर श्रृंखला का समापन शीर्ष स्कोरर के रूप में किया जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ट्रैविस हेड टी20आई बल्लेबाजों की रैंकिंग में आगे बने हुए हैं, लेकिन वानखेड़े में अपने रिकॉर्ड-तोड़ प्रयासों के बाद अभिषेक उनसे केवल 26 रेटिंग अंक पीछे हैं जबकि भारत के तीन खिलाड़ी शीर्ष पांच में हैं। तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं और कप्तान

सूर्यकुमार यादव पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं और सभी हेड के करीब हैं, जबकि भारत के साथी हार्दिक पांड्या (पांच पायदान ऊपर 51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (38 पायदान ऊपर 58वें स्थान पर) भी इंग्लैंड के खिलाफ कुछ अच्छे स्कोर के बाद टी20आई बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हैं। टी20आई गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में भी यही कहानी है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 14 विकेट (एक पांच विकेट सहित) और जोस बटलर की टीम के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज की बदौलत तीन पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टीम के साथी रवि बिश्नोई (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) भी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में पांच विकेट लेने के बाद टी20आई गेंदबाजों की सूची में ऊपर आए हैं। शीर्ष पर एक और बदलाव हुआ है, वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील होसेन ने एक सप्ताह पहले आदिल राशिद के हाथों हार के बाद फिर से नंबर 1 गेंदबाज का स्थान हासिल कर लिया है।

वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुष चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए अबूझ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। वरुण ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कुल 14 विकेट लिए, जिसमें 5 मैचों की टी20 सीरीज में राजकोट में पांच विकेट शामिल हैं। वह अपने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। वरुण नागपुर में होने वाले पहले वनडे के लिए टीम में शामिल हुए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

भारतीय गोलकीपर सोम स्लोवेनियाई क्लब एनके राडोमल्जे में हुए शामिल

बंगलूरू, एजेंसी। छह फीट तीन इंच लंबे सोम पिछले सत्र में इंडियन सुपर लीग क्लब केरला ब्लास्टर्स का हिस्सा थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवसरों की तलाश में आपसी सहमति से टीम से अलग हो गए।

युवा भारतीय गोलकीपर सोम कुमार स्लोवेनियाई फुटबाल की शीर्ष स्तरीय लीग प्रावा लीगा के क्लब एनके राडोमल्जे से जुड़ गए हैं। यह 19 वर्षीय सोम के करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि वह वर्तमान में यूरोप में पेशेवर अनुबंध हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय फुटबालर बन गए हैं। छह फीट तीन इंच लंबे सोम पिछले सत्र में इंडियन सुपर लीग क्लब केरला ब्लास्टर्स का हिस्सा थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवसरों की तलाश में आपसी सहमति से टीम से अलग हो गए।

सोम ने 2024 में भारत वापस आने से पहले स्लोवेनिया में चार साल बिताए थे। इस कदम के बारे में सोम ने कहा, मैं एनके राडोमल्जे में शामिल होने और अपने कॅरिअर में यह अगला कदम उठाने के लिए रोमांचित हूं। शीर्ष स्तरीय यूरोपीय लीग में खेलना किसी भी भारतीय के लिए एक सपना सच होने जैसा है और मैं स्लोवेनिया वापस जाने के लिए उत्साहित हूं। सीखने, प्रगति करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। मैं ट्रेनिंग के दौरान टीम से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

एकल छोड़ मिश्रित युगल में सफलता हासिल कर रहे सतीश और आद्या, डेढ़ साल के अंदर 33वें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। चार फरवरी 2023 को सतीश और आद्या ने ईरान इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके ठीक एक साल बाद इस जोड़ी ने मंगलवार को देहरादून में राष्ट्रीय खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया।

क्या होता है जब दो एकल खिलाड़ी युगल में एक साथ खेलते हैं? इसका फायदा भी हो सकता है और नुकसान भी लेकिन सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ के लिए यह कदम शानदार साबित हुआ क्योंकि वे अब भारतीय बैडमिंटन की शीर्ष मिश्रित युगल जोड़ी हैं। सतीश और आद्या की जोड़ी 2023 में विश्व रैंकिंग में 432वें स्थान से डेढ़ साल के भीतर 33वें स्थान पर पहुंच गई।

चार फरवरी 2023 को सतीश और आद्या ने ईरान इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके ठीक एक साल बाद इस जोड़ी ने मंगलवार को देहरादून में राष्ट्रीय

खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। तमिलनाडु के सतीश ने इसके बाद उत्तराखंड के सूर्याक्ष रावत को 21-17, 21-17 से हराकर पुरुष एकल का भी स्वर्ण पदक जीता। सतीश और आद्या ने इसके अलावा अजरबेजान और युगांडा में खिताब जीते लेकिन पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहे।

पिछले साल अप्रैल से दोनों मलयेशियाई कोच जीवननाथन नायर के मार्गदर्शन में क्वालालंपुर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। हालांकि वीजा सीमाओं के कारण वे वहां एक महीने से अधिक नहीं रह सकते जिसका अर्थ है कि उन्हें अक्सर यात्रा करनी पड़ती है। तैराक के रूप में शुरुआत करने के बाद अपने बड़े भाई अरुण कुमार को देखकर 12 साल की उम्र में बैडमिंटन की ओर रुख करने वाले सतीश ने हाल ही में कहा कि हम केवल डेढ़ साल से साथ हैं। भारत में मेरी कुछ पारिवारिक समस्याएं थी इसलिए मुझे मलयेशिया जाना पड़ा। आद्या ने कहा, इसलिए पिछले अप्रैल से हमने क्वालालंपुर में प्रशिक्षण लेने की कोशिश की है। यदि दो सप्ताह से अधिक की ट्रेनिंग होती है तो हम क्वालालंपुर जाते हैं। अन्यथा, हम भारत के किसी एक केंद्र में एक सप्ताह की ट्रेनिंग करते हैं। तेइस वर्षीय आद्या ने कहा कि वे दीर्घकालिक वीजा के लिए प्रयास कर रहे हैं जिससे कि वे बार-बार यात्रा करने की चिंता किए बिना मलयेशिया में ट्रेनिंग कर सकें।

राशिद खान ने रचा इतिहास, सबसे ज्यादा विकेट लेने का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पछाड़ कर सबसे ज्यादा विकेट लेने का महारिकॉर्ड अपने नाम किया. राशिद इन दिनों एसए20 में खेल रहे हैं, जिसके जरिए उन्होंने सबसे ज्यादा टी20 विकेट चटकाने का खिताब अपने नाम किया.

बता दें कि राशिद एसए20 में एमआई केपटाउन की कमान संभाल रहे हैं. टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन के बीच खेला गया. इसी मुकाबले में राशिद ने अपना पहला विकेट चटकाते ही ब्रावो का रिकॉर्ड तोड़ दिया. ब्रावो ने अपने टी20 करियर में 631 विकेट चटकाए, जबकि राशिद खान ने 633 विकेट अपने नाम कर लिए हैं.

10 साल से कम वक्त में राशिद खान ने किया कमाल

राशिद खान ने अक्टूबर, 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हुए अपना टी20 डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने महज 1 विकेट चटकाया था. अब 10 साल से भी कम वक्त में वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए.

पिछले साल (2024) क्रिकेट संन्यास ले चुके ड्वेन ब्रावो ने फरवरी, 2006 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलकर टी20 डेब्यू किया था. ब्रावो को जो आंकड़ा छूने के लिए करीब 18 साल का वक्त लगा, राशिद खान ने उससे बड़ा आंकड़ा महज 10 साल से कम वक्त में छू लिया. गौरतलब है कि ब्रावो ने 582 टी20 मैचों में 24.40 की औसत से 631 विकेट अपने नाम किए. वहीं राशिद खान ने महज 461 मुकाबलों में 18.07 की औसत से 633 विकेट अपने नाम कर लिए. लिस्ट में तीसरा नंबर वेस्टइंडीज के सुनील नरेन का है, जिन्होंने अब तक 573 विकेट चटका लिए हैं. इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर चौथे और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन पांचवें नंबर पर आते हैं.

टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

राशिद खान (अफगानिस्तान) - 633 विकेट
ड्वेन ब्रावो (वेस्टइंडीज) - 631 विकेट
सुनील नरेन (वेस्टइंडीज) - 573 विकेट
इमरान ताहिर (दक्षिण अफ्रीका) - 531 विकेट
शाकिब अल हसन (बांग्लादेश) - 492 विकेट .

06-02-2025_06-02-2025.qxd 2/5/2025 11:36 PM Page 10

सलमान खान को लेकर बोले सूरज बड़जात्या

वो खुद से ज्यादा दूसरों का ख्याल रखते हैं

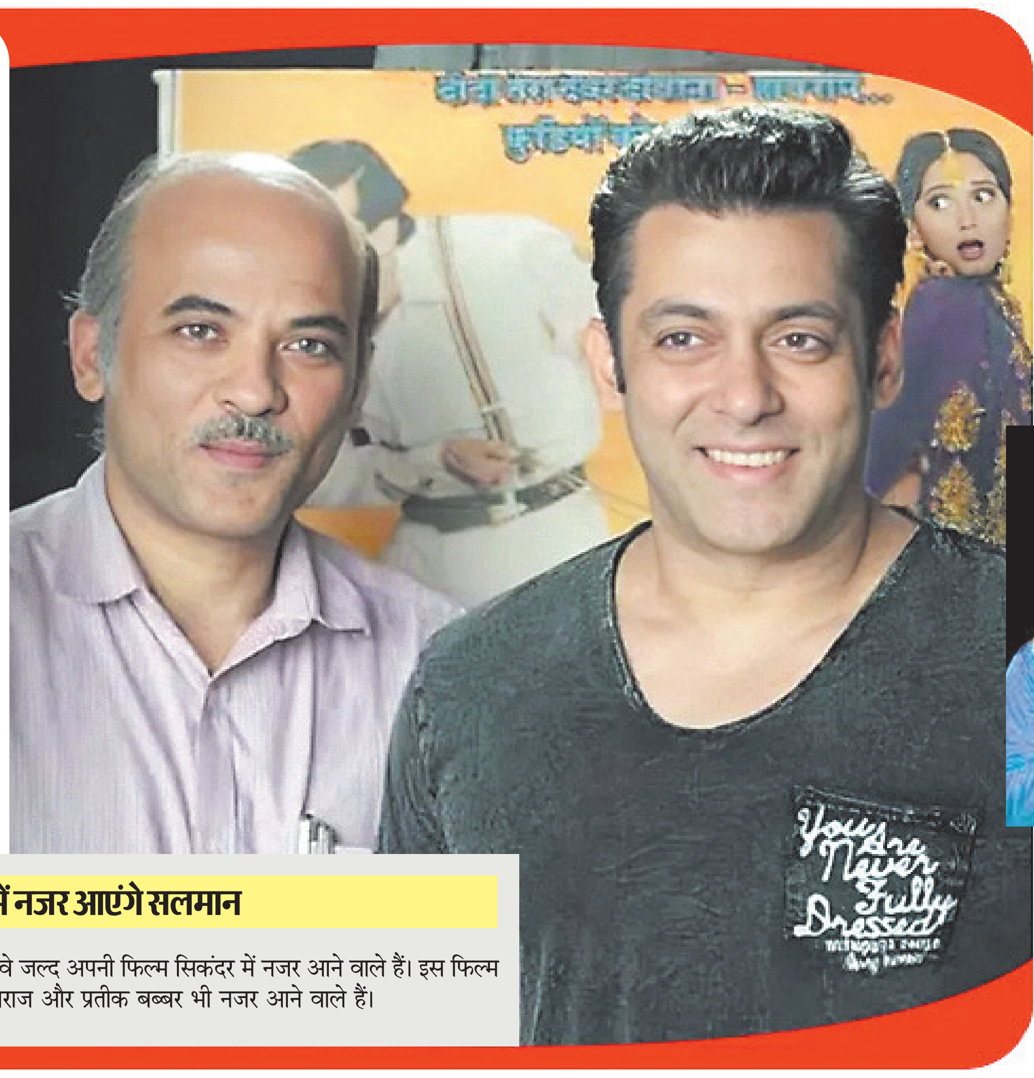

सलमान खान की फिल्मों और उनके किरदार को लेकर सूरज बड़जात्या ने कुछ बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि सलमान हमेशा खुद से ज्यादा दूसरों के बारे में सोचते हैं। सूरज बड़जात्या ने सलमान खान को मैंने प्यार किया फिल्म के साथ साल 1989 में बड़े पर्दे पर एक अलग ही पहचान दिलवाई। इसके बाद सलमान खान ने उनके साथ हम साथ- साथ हैं, हम आपके हैं कौन, प्रेम रतन धन पायो फिल्म में भी सूरज बड़जात्या के साथ काम किया है। सूरज बड़जात्या ने सलमान खान को लेकर बात की है।

बहुत भावुक हैं सलमान खान

सूरज बड़जात्या ने बताया कि सभी लोगों के लिए जिम्मेदारी की भावना है। वे बहुत ही भावुक भी हैं। ईटाइम्स से इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कई लोग सोचते हैं कि सूरज बड़जात्या और सलमान लगभग एक जैसे हैं। ये बात लगभग सही भी है। हमारे जीवन में दिखावे की कोई जगह नहीं है। निर्माता ने बताया कि उन्हें और सलमान को अपने भविष्य की चिंता हमेशा सताती थी।

वेनिटी में नहीं रुकते थे सलमान

निर्माता ने बताया कि सलमान खान कभी भी अपनी वैनिटी में नहीं रुकते थे। वे हमेशा खुले में बैठते थे। उन्होंने कहा कि सलमान खान कभी नहीं सोचते कि उन्हें अपने लिए क्या लेना है, वे हमेशा दूसरों के बारे में सोचते हैं।

हर सीन को बना देते हैं खास

निर्माता ने बताया कि एक अभिनेता के तौर पर उन्हें अपनी छवि अच्छी ही बनानी होती है। वह इसे बहुत सावधानी से करते भी हैं। वह हमेशा सहयोगी की भावना से काम करते हैं। सलमान सरल, सीधे-सादे दृश्य को भी अपने आकर्षण, शरारत और मस्ती से खास बनाने की कला रखते हैं।

सिकंदर में नजर आएंगे सलमान

बात करें सलमान खान के वर्कफ्रंट की तो वे जल्द अपनी फिल्म सिकंदर में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल, सत्यराज और प्रतीक बब्बर भी नजर आने वाले हैं।

तारक मेहता के सोढ़ी गुरुचरण सिंह की इंडस्ट्री में वापसी!

टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के एक्टर रहे गुरुचरण बीते दिनों अपनी खराब सेहत के कारण चर्चा में थे। अब उन्होंने अपनी दूसरी पारी को लेकर बात की है। वो अच्छे काम की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि हर महीने आय होना बहुत जरूरी है। फेमस टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रोशन सोढ़ी का किरदार निभाकर घर-घर में फेमस होने वाले एक्टर गुरुचरण सिंह इन दिनों चर्चा में हैं। बीते दिनों उनकी सेहत काफी खराब थी और वो हॉस्पिटल में एडमिट थे। बाद में उनके पिता ने हेल्थ अपडेट दिया कि एक्टर ने खाना-पीना शुरू कर दिया है और अपने डेली रुटीन में धीरे-धीरे वापस आ रहे हैं। वो इंडस्ट्री में वापस आना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने तारक मेहता के प्रोड्यूसर से बात की है। अपनी हेल्थ और फाइनेंशियल स्थिति को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने ये भी बताया कि कैसे उन्होंने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के प्रोड्यूसर असित मोदी से प्रोडक्शन में काम करने के लिए कहा था।

गुरुचरण सिंह सोढ़ी अपने बारे में फैल रही अफवाहों से भी परेशान हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के एक्टर ने बताया, दरअसल, मैं सभी को गुरुपर्व की शुभकामनाएं देना चाहता था। मुझे उस दिन गुरुद्वारा जाना था, लेकिन मेरी तबीयत खराब हो गई और मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

आर्यन खान हैं निर्देशक

शाहरुख ने किया वेब सीरीज का वीडियो लाँच

शाहरुख ने सोमवार ((3 फरवरी) को एक इवेंट में अपने बड़े बेटे आर्यन खान की पहली वेब सीरीज का वीडियो रिलीज किया। ये सीरीज इसी साल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। शाहरुख ने कहा कि मेरी बस एक ही दुआ है, गुजारिश है और इच्छा है कि मेरा बेटा जो डायरेक्शन में अपना पहला कदम रख रहा है, मेरी बेटी जो एक्ट्रेस बन रही हैं, उन सबको अगर 50त्न प्यार भी ये दुनिया दे दे जितना मुझे दिया है तो बहुत ज्यादा होगा।

मैंने आर्यन की सीरीज के कुछ एपिसोड्स देखे हैं। एपिसोड्स बहुत अच्छे हैं। बहुत फनी हैं। मुझे बड़ी अच्छी लगती हैं चीजें जब फनी होती हैं। मेरे जोक्स पर लोग बुरा मान जाते हैं, लोगों को तकलीफ होने लगती है तो मैंने जोक करना छोड़ दिया। विरासत में मैंने अपने बेटे को दे दिया कि तू कर बेटा, अब तू जा और बाप का नाम रोशन कर। इन लोगों ने बहुत मेहनत की है। इन लोगों ने हिंदी सिनेमा और कॉलेज से जो कुछ भी सीखा है उसे मिक्स करके एक शो बनाया है जिसमें मुंबई नगरी में जब लोग आते हैं तब उनके साथ क्या-क्या होता है, कैसे होता हैज्ये दिखाया है। बहुत फनी सीरीज है। शाहरुख ने बेटे के करिअर के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं चाहता था कि आर्यन कुछ करें। अमेरिका में कुछ सीखें कि कैसे डायरेक्शन और प्रोडक्शन किया जाता है। बहुत अजीब सा, संयोग की बात है कि कोविड नहीं होता तो मैंने बात की थी टेट और बेला से कि इसको नेटफ्लिक्स में नौकरी दे दे कि वहां पर सीखे, किसी को असिस्ट करे। लेकिन कोविड हो गया तो वो भारत आ गए। फिर आर्यन ने अपने ग्रुप के साथ लिखना शुरू किया।

शाहरुख ने इंस्टाग्राम पर भी एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे नए नवेले डायरेक्टर आर्यन को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। ये आर्यन के शो का अनाउंसमेंट वीडियो है, जिसमें शाहरुख कैमरे के सामने डायलॉग बोलना शुरू करते है और कहते हैं, पिक्चर तो सालों से बाकी है, लेकिन... इस पर आर्यन उन्हें टोकते हुए एक और टेक देने को कहते हैं। इसके बाद शाहरुख टेक पर टेक देते हैं और आखिरकार इरिटेट होकर आर्यन पर चिल्लाते हुए कहते हैं, तेरे बाप का राज है क्या?

इसके बाद राज खुलता है कि डायरेक्टर की कुर्सी पर बैठा शख्स कोई और नहीं आर्यन हैं। पापा की बात सुनकर आर्यन जवाब में कहते हैं- हां... सोशल मीडिया पर यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

डोडी खान के बाद

अब राखी सावंत को पाकिस्तानी मौलाना भी बनाना चाहते हैं बीवी

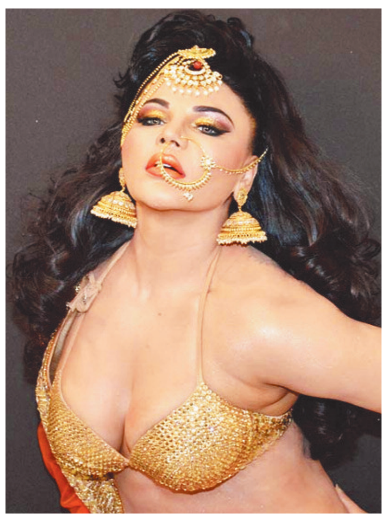

राखी सावंत ने जब से पाकिस्तान की बहू बनने की इच्छा जताई है, ऑफर्स की बाढ़ लग गई है। हाल ही पाकिस्तानी एक्टर और मॉडल डोडी खान ने राखी सावंत से शादी की बात कही थी। अब मौलाना मुफ्ती कवी ने राखी सावंत को बीवी बनाने की इच्छा जताई है। लेकिन एक शर्त भी रखी है। राखी सावंत सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। इस समय वह अपनी तीसरी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं।

राखी सावंत ने हाल ही ऐलान किया था कि वह पाकिस्तान की बहू बनेंगी और डोडी खान से शादी करेंगी, जो पाकिस्तानी एक्टर और बिजनसमैन हैं। अब डोडी खान के अलावा एक और शख्स सामने आया है, जो राखी सावंत को अपनी बीवी बनाना चाहता है। यह हैं पाकिस्तान के इस्लामिक धर्मगुरु मौलाना मुफ्ती कवी।

मुफ्ती कवी ने राखी सावंत से शादी करने की इच्छा जताई है, पर साथ ही उस एक शर्त का खुलासा भी किया है, जिसके बाद ही वह राखी से शादी कर पाएंगे। मुफ्ती कवी हाल ही मुनीजे मोईन के पोडकास्ट में नजर आए और कहा कि वह राखी सावंत से शादी के लिए तैयार हैं। दरअसल राखी ने एक वीडियो में कहा था कि वह किसी पाकिस्तानी से शादी करना चाहती हैं।

इसी पर मुफ्ती कवी ने कहा कि वह राखी से शादी के लिए तैयार हैं, पर इसके लिए उन्हें पहले अपनी मां से इजाजत लेनी होगी। वो इजाजत देंगी, तभी वह राखी सावंत से शादी कर पाएंगे क्योंकि उन्होंने कहा था कि शादी से पहले मुझसे पूछोगे।

अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर बोले अली फजल

'2025 मेहनत और कहानी कहने के जुनून का नतीजा'

अभिनेता अली फजल के पास इस साल बॉलीवुड, ओटीटी, हॉलीवुड और साउथ के कई प्रोजेक्ट हैं। अभिनेता ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि 2025 में उन्हें सालों की मेहनत का नतीजा मिलेगा। अपने बेहतरीन प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा, 2025 में सालों की मेहनत का नतीजा मिलेगा।

मैं इस साल जिन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रहा हूं, उन्हें लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। अली फजल इस साल अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनो', 'मिर्जापुर- द मूवी' के साथ निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' जैसे प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। ओटीटी की बात करें तो अली राज और डीके की पीरियड ड्रामा सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' में नजर आएंगे।

अली फजल के पास आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' है, जिसमें उनके साथ सनी देओल नजर आएंगे। इसके साथ ही अली फजल के पास फोएबे वालर-ब्रिज के साथ हॉलीवुड फिल्म 'रूल ब्रेकर्स' भी है। अभिनेता ने कहा, मेट्रो की कहानियों से मिर्जापुर की दुनिया में कदम रखने से लेकर 'ठग लाइफ' में मणिरत्नम सर के साथ काम करने के अनुभव के साथ यह साल रचनात्मक रूप से समृद्ध यात्रा रही है। भारत में ओटीटी स्पेस पर बेहतरीन काम कर रहे राज और डीके का साथ 'रक्त ब्रह्मांड' जैसे प्रोजेक्ट के लिए साथ काम करना एक रोमांचक अनुभव रहा। अभिनेता ने आगे कहा, 'लाहौर 1947' के साथ मैं सनी देओल के साथ और आमिर खान के प्रोडक्शन के तहत काम करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं और रूल ब्रेकर्स एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। अली के लिए प्रत्येक प्रोजेक्ट उन्हें चुनौती देता है। अभिनेता ने कहा, इनमें से हर एक प्रोजेक्ट मुझे नए तरीके से चुनौती देती है और मैं उन्हें दुनिया भर के दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्सुक हूं।

स्टैंडअप कॉमेडियन ने उड़ाया वीर पहाड़िया का मजाक, तो फैंस ने की पिटाई, एक्टर ने मांगी माफी

अभिनेता वीर पहाड़िया का मजाक उड़ाने पर उनके फैंस ने चर्चित स्टेंडअप कॉमेडियन की पिटाई कर दी। इस मामले पर अब वीर पहाड़िया ने भी अपना पक्ष रखा है।

वीर पहाड़िया अपनी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर उनका मजाक बनाने वाले कॉमेडियन प्रणित मोरे पर उनके फैंस ने हमला कर दिया। इस मामले पर अब अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए माफी मांगी, साथ ही इस घटना की आलोचना भी की है।

आरजे प्रणित ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोलापुर में एक कॉमेडी शो के दौरान प्रणित ने वीर पहाड़िया को लेकर कुछ मजाक किया। शो के बाद वे हमेशा की तरह अपने फैंस के साथ सेल्फी ले रहे थे। जब भीड़ कम हो गई तो इस दौरान 11-12 आदमी आए, उन्होंने खुद को फैन बताया लेकिन वे उन्हें मारने के इरादे से आए थे। उन्होंने बुरी तरह लात घूसों से कॉमेडियन की पिटाई की और उन्हें घायल हालत में छोड़ कर चले गए। प्रणित मोरे के साथ मार पीट करने को लेकर तनवीर शेख और उसके गैंग के नाम को लेकर चर्चा हो रही है। इन लोगों ने मार पीट के दौरान कहा, अगली बार वीर पहाड़िया बाबा पर जोक मारके दिखा।

शाहिद कपूर को लगा तगड़ा झटका बॉक्स ऑफिस पर असफल हुई देवा

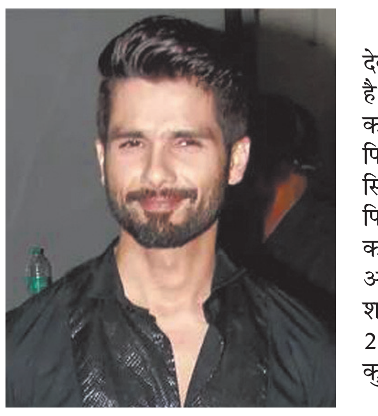

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म देवा 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म ने 4 दिनों में 21 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। रिलीज के चौथे दिन फिल्म महज 2.25 लाख रुपए कलेक्शन करके सिमट गई। वहीं दूसरी तरफ अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स ने रिलीज के 11वें दिन 1.35 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। बॉक्स ऑफिस ट्रेकर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद कपूर की फिल्म देवा ने चौथे दिन 2 करोड़ 25 लाख रुपए कमाए। इसके साथ फिल्म का कुल इंडियन कलेक्शन 21.35 करोड़ हो चुका है।

500 फाइटर्स आएंगे नजर

कांतारा चैप्टर 1 में देखने को मिलेगा बड़ा वॉर सीन

होम्बले फिल्म्स की आने वाली फिल्म कंतारा- चैप्टर 1 का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले आया इस फिल्म का पार्ट लोगों को काफी पसंद आया था और बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई भी की थी।

अब कंतारा- चैप्टर 1 को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। 2022 में रिलीज़ हुई कांतारा ने सबसे बड़ी स्लीपर हिट का दर्जा हासिल किया था, नए रिकॉर्ड बनाते हुए एक अलग ही स्टैंडर्ड सेट किया। अब कंतारा- चैप्टर 1 उस धरोहर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार है। ऐसे में फिल्म मेकर इस बार भी दर्शकों को एक असाधारण सिनेमाई अनुभव देने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं।

फिल्म में होगा बड़ा वॉर सीन: इसके फर्स्ट पोस्टर में ऋषभ शेट्टी का बिल्कुल नया लुक दिखाया गया है। अब मेकर्स एक जोरदार वॉर सीन लाने वाले हैं, जिसके लिए उन्होंने 500 से ज्यादा माहिर फाइटर्स को बुलाया है। ये एक्शन के माहिर लोग मिलकर एक ऐसा वॉर सीक्वेंस तैयार करेंगे, जो न सिर्फ पहली बार देखा जाएगा, बल्कि देखने में भी बेहद शानदार होगा।

मेकर्स ने बताया, होम्बले फिल्म्स कंतारा- चैप्टर 1 के लिए पूरी तरह से जुट गई है और इस बार 500 से ज्यादा प्रोफेशनल फाइटर्स को एक साथ लाकर ऐसा वॉर सीन बनाया जा रहा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया है। एक्शन कोरियोग्राफी के एक्सपर्ट्स इसे परफेक्ट बनाने में लगे हुए हैं और यह सिनेमाई अनुभव कुछ अलग ही होने वाला है, जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

कदंबा काल की कहानी है ये फिल्म: कंतारा-चैप्टर 1 कर्नाटका के कदंबा काल में सेट है, जो भारतीय इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर को उजागर करेगा। कदंबा शासक उस समय के प्रभावशाली शासक थे, जिन्होंने इस क्षेत्र की वास्तुकला और संस्कृति को आकार दिया और यह भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम युग माना जाता है। इसके अलावा कंतारा- चैप्टर 1 एक बड़े पैमाने पर बनने वाली फिल्म है। फिल्म का निर्देशन एक बार फिर लीड होरो ऋषभ शेट्टी ही कर रहे हैं।

साभार एजेंसी

बहन जान्हवी से पूछे बिना कोई काम नहीं करती खुशी कपूर

खुशी कपूर और जुनैद खान की जोड़ी फिल्म लवयापा में नजर आने वाली है। इस फिल्म की रिलीज से पहले दोनों अभिनेता इसके प्रमोशन में बिजी हैं।

फिल्म प्रमोशन के लिए जुनैद खान और खुशी कपूर भारती सिंह के पॉडकास्ट में भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी बहुत सी बातें की हैं।

जान्हवी कपूर से लेती हैं सलाह

खुशी कपूर ने पॉडकास्ट में बताया कि वे अपनी बहन जान्हवी कपूर से पूछे बिना कुछ भी काम नहीं करती हैं, जब बहन का अप्रूवल मिल जाता है, तब ही वे काम शुरू करती हैं। यहां तक की खुशी कपूर की स्टाइलिंग भी उनकी बहन ही करती हैं। खुशी कपूर ने बताया वे केरल में अपनी किसी फिल्म की शूट में बिजी हैं, वे एक दिन के लिए मुंबई आएंगी और फिल्म देखकर वापस चली जाएंगी।

पिता ने कही ये बात

खुशी कपूर ने बताया कि उनके पिता ने भी इस फिल्म के लिए उन्हें बहुत सपोर्ट किया है। उनके पिता ने ही उन्हें ओरिजनल तमिल फिल्म देखने के लिए कहा है। खुशी ने कहा कि उनके पिता बोनी कपूर उन्हें हर काम में सपोर्ट करते हैं। खुशी ने पॉडकास्ट में बताया कि अब उन्हें इंतजार है कि कब सब लोग उन्हें फोन करके कहें कि वाह खुशी ने क्या काम किया है।